



PAGE-2

नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में चुनौतियां



PAGE-3

Mentoring: Guiding Students from Darkness to Light



PAGE-5

Sleep Affects Physical and Mental Health



IMS TODAY

► Issue – 1, Year – 13

► Ghaziabad, 9th July-2025

► Language – Hindi & English/ Monthly

► Pages – 8, Price : ₹2

www.imsec.ac.in



AI ki Duniya

• Arpita Mishra

AI is growing rapidly. New advancements like generative AI, AI agents, robotics, and real-time translation are pushing the boundaries of what machines can do . This is the world of artificial intelligence(AI). AI is quietly becoming a part of our everyday lives. It's about making our world smarter, faster and better. AI tools like speech-to-text, voice-controlled devices, and smart prosthetics assist people with hearing, vision, or mobility challenges.The importance of the AI is as follows.

Boosts education:

AI tools create personalized learning experiences for students. Virtual tutors and AI applications help learners understand difficult topics in simpler ways. AI is helping both students and educators achieve better results. It allows learning to happen anytime, anywhere and adapts to each learner's needs.

Supports businesses:

AI strategy consultants help businesses understand where AI fits in their operations and how to start. AI read in ess assessment, identifying use cases and implementation roadmaps. Workshops, online courses and certifications to upskill employees on AI concepts and tools.

Drives innovation:

AI drives innovation by transformation how we solve complex problems, enhances productivity and creates new possibilities across industries. AI accelerates progress by enabling machines to learn adopt and make decision.AI is not just a tool, it's a catalyst that drives continuous innovation, pushing the boundaries of what technology can achieve.

Guest Editor of This Issue



From the Editor's desk

Swati Verma
Principal,
DDPS Greater Noida

Education: Shaping the Future Through Knowledge, Innovation, and Technology

Education is the bedrock of a nation's progress- it empowers individuals, strengthens communities, and builds the visionaries of tomorrow. In today's fast-evolving world, the role of education goes beyond textbooks. It must foster innovation, critical thinking, and adaptability.

Technology has become a powerful enabler in this journey. Smart classrooms, digital tools, and AI-driven learning platforms are transforming how students learn and teachers teach. These innovations make education more accessible, engaging, and personalized, helping each child unlock their true potential.

As educators, we have the responsibility to blend timeless values with modern tools, preparing students not just for exams, but for life. When education is driven by purpose and powered by innovation, it becomes the most effective catalyst for nation-building.

विलंब से मिला न्याय, नहीं होता है न्याय

आभाशु द्विवेदी

खून हुआ ? देश की अदालत है न, न्याय जरूर मिलेगा। मेहनत की कमाई चोरी हो गई ? कोर्ट में जाओ, न्याय मिलेगा। बलात्कार हुआ ? अदालत में सुनवाई होगी, न्याय मिलेगा। न्याय के प्रति आम आदमी का कुछ ऐसा ही नजरिया रहा है। लेकिन अब टूटता नजर आ रहा है। मुर्शिदाबाद में पलायन हुआ, लेकिन कानून कुछ नहीं कर सका। निर्भया को न्याय मिलने में 8 साल लगे। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के दुष्कर्म मामले में इंसाफ कम और सियासत अधिक हुई। ऐसे में आम आदमी का कानून पर से विश्वास उठना स्वाभाविक है। अंग्रेजी में कहावत है कि “Justice delayed is justice denied” कहने का आशय है कि विलंब से मिला न्याय, न्याय नहीं होता।

भारत की न्याय व्यवस्था

भारत में न्याय व्यवस्था तीन स्तरों में बंटी हुई है जो जिला अदालतें, उच्च न्यायालय और सुप्रीम कोर्ट है। यह व्यवस्था संविधान के अनुच्छेद 124 से 147 के तहत स्थापित की गई है। सुप्रीम कोर्ट देश की सबसे बड़ी अदालत है, जहाँ संविधान और कानून की व्याख्या होती है। उसके बाद 25 उच्च न्यायालय आते हैं, जो अपने-अपने राज्यों के मामलों की सुनवाई करते हैं। सबसे नीचे जिला और सत्र न्यायालय हैं, जहाँ आम आदमी के अधिकतर केस चलते हैं।

कटघरे में खड़ा न्याय

इंडिया जस्टिस रिपोर्ट 2025 जो अप्रैल 2025 में प्रकाशित हुई, दर्शाती है कि कैसे आज देश का कानून कटघरे में खड़ा है। राष्ट्रीय स्तर पर न्यायाधीशों की संख्या कम है, इसलिए हर जज को औसतन 2,200 मुकदमों को देखना पड़ता है। उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और केरल जैसे राज्यों में यह संख्या 4,000 से भी ज्यादा हो जाती है, जिससे न्याय मिलने में काफी देरी होती है। इतना ही नहीं, देश में 5 करोड़ से ज्यादा मामले लंबित हैं, जिनमें से 85 % जिला स्तर अदालतों में हैं। जबकि



इंडिया जस्टिस रिपोर्ट

एक एसी रिपोर्ट जो न्याय प्रदान करने में भारतीय राज्यों की क्षमता और प्रदर्शन का व्यापक मूल्यांकन प्रस्तुत करती है। यह 5 मापदंडों का उपयोग करके 4 स्तरों पर: पुलिस, जेल, न्यायापालिका, विधिक सहायता और SHRC का मूल्यांकन करता है: मानव संसाधन, बुनियादी ढाँचा, बजट, कार्यभार और विविधता।

समग्र रैकिंग

कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना बड़े राज्यों में अवल। सिक्किम छोटे राज्यों में शीर्ष पर। बिहार, छत्तीसगढ़, ओडिशा ने सबसे अधिक सुधार किया।

न्यायपालिका में कमी

देश में सिर्फ 21,000 जज, यानी प्रति 10 लाख लोगों पर केवल 15 जज। जबकि सिफारिश 50 की है। हाई कोर्ट में 33% और जिला न्यायालयों में 21% पद खाली।

कानूनी सहायता पर प्रति व्यक्ति खर्च ₹6.46 तक बढ़ा है लेकिन यह रकम आज भी सभी लोगों तक सही तरह से न्याय पहुँचाने के लिए काफी नहीं है। यही कारण है कि न्यायालयों में जाने वाले लोगों को तरिखें मिलती हैं, न्याय नहीं। देश की कई जेलों में जरूरत से 250% गुना ज्यादा कैदी बंद हैं, और दिल्ली में तो 90% से ज्यादा कैदी ऐसे हैं जिनका केस अब तक खत्म नहीं हुआ है।

न्याय में देरी: दो बड़े उदाहरण

सिख दंगा (1984-2018)

इंदिरा गांधी की हत्या के बाद सिख विरोधी दंगे भड़के। सैकड़ों FIR दर्ज हुईं, लेकिन गवाहों को धमकाया गया और सबूत नष्ट किए गए। 34 साल बाद, 2018 में सज्जन कुमार को उम्रकैद की सजा मिली। यह मामला गवाह, सुरक्षा और न्याय में देरी का प्रतीक है।

निर्मया केस (2012-2020)

दिल्ली में 2012 का गैंगरेप कांड से देश हिल गया। भारी जनदबाव के बावजूद, दोषियों को फांसी 8 साल बाद, 2020 में हुई। दायर याचिकाएं और कानूनी अपीलें लंबी प्रक्रिया में उलझी रहीं। यह केस न्यायिक प्रक्रिया की लंबाई और जटिलता को उजागर करता है।

न्याय में देरी

भारत में न्याय में देरी होने का जो पैटर्न है वह काफी लंबे समय से बना हुआ है। राम मंदिर-बाबरी मस्जिद मामले में 1949 में विवाद शुरू हुआ 1950 में केस चला और राम मंदिर के पक्ष में निर्णय 9 नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने दिया यानि लगभग 70 साल से अधिक का समय लग गया।

अदालत का फैसला आने के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने राममंदिर निर्माण के उपयोगिता को देश की जनता के समक्ष बहुत ही अच्छे तरीके से रखा।

दूसरा शाह बानो केस जहाँ एक मुस्लिम महिला ने गुजारा भत्ता माँगा था, उस पर सुप्रीम कोर्ट 1978 में सुनवाई शुरू करती है और सात साल बाद 1985 में शाह बानों के पक्ष में फैसला देती है।

राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड (एनजेडीजी) 2025 की मानें तो 2025 तक, भारत की अदालतों में कुल लंबित मामले 5.23 करोड़ से अधिक हैं जिसमें जिला न्यायालयों में लगभग 4.45 करोड़ मामले, हाई कोर्ट में लगभग 60 लाख और सुप्रीम कोर्ट में लगभग 70,000 मामले लंबित हैं।

विकास, पर्यावरण और जनकल्याण की दिशा में गाज़ियाबाद

गाज़ियाबाद नगर निगम के ऊर्जावर्धन नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक एक दूरदर्शी युवा आईएसएस अधिकारी हैं, जो प्रशासनिक सेवा में नवाचार और जनहित को प्राथमिकता दे रहे हैं। हाल ही में गाज़ियाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन द्वारा ग्रेटर नोएडा के एक होटल में 35वां राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में नगर आयुक्त शामिल हुए। आईएमएस टुडे रिपोर्टर मोक्षा त्यागी को विक्रमादित्य सिंह मलिक से विशेष बातचीत का अवसर मिला। इस दौरान उन्होंने गाज़ियाबाद के भविष्य, नागरिक सहभागिता और प्रशासनिक दृष्टिकोण पर विस्तार से चर्चा की। प्रस्तुत है इस संवाद के प्रमुख अंश:

मोक्षा त्यागी

गाज़ियाबाद को एक आदर्श शहर बनाने के लिए आपकी क्या योजना है?

शहरी अवसंरचना और शहरी परिदृश्य में बहुत सारी चुनौतियाँ होती हैं। कचरा प्रबंधन को बेहतर बनाना आवश्यक है। हरित क्षेत्रों को बढ़ाना चाहिए। नागरिकों को एक टिकाऊ और सुखद वातावरण देना चाहिए। यह काम फिटनेस अभियान चलाकर या हरित क्षेत्र बढ़ाकर दिया जा सकता है। एक निवासी शहर से क्या चाहता है? वह चाहता है कि शहर स्वच्छ हो, सभी सुविधाएँ उपलब्ध हों, पानी समय पर आए और हरित क्षेत्र हों। उन्हें व्यायाम करने की जगह मिले। सार्वजनिक संवाद के लिए स्थान हो। यदि नगर निगम यह सब प्रदान करता है, तो यह हमारे लिए सही दिशा में बढ़ना है।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण गंभीर समस्या है। दिल्ली ने समाधान के कई प्रयास किए हैं, इस पर गाज़ियाबाद को क्या करना चाहिए?

वास्तव में यदि आप दिल्ली एनसीआर के चार-पाँच जिलों का पिछले दो वर्षों का विश्लेषण करेंगे, तो आप पाएंगे कि अधिक कार्य हो रहा है। गाज़ियाबाद में भी काफी काम हुआ है। अंततः आपको यह समझना होगा कि प्रदूषण के स्रोत



क्या हैं। यदि हम पीएम 2.5 की बात करें तो वह धूल से संबंधित होता है। पीएम 10 अन्य प्रकार के कणों से संबंधित होता है। प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए केवल हरियाली से मदद नहीं मिलेगी और भी उपाय करने होंगे। पानी का छिड़काव करना, हरियाली बढ़ाना और सड़क सफाई करना जिससे धूल कम फैले इस प्रकार की पहल गाज़ियाबाद भी कर रहा है और वायु गुणवत्ता प्रबंधन केंद्र जो स्थापित हुआ है, उसकी निगरानी में हम सभी कार्य कर रहे हैं साथ ही साथ हम सार्वजनिक परिवहन को ई-मोबिलिटी में परिवर्तित करने को भी बढ़ावा दे रहे हैं।

आज की युवा पीढ़ी ग्लैमर की ओर आकर्षित हो रही है, जबकि समाज निर्माण में उनकी अहम भूमिका है। अधिकांश युवा सोशल मीडिया पर

नियमित रूप से और सही तरीके से इसका उपयोग करें, तो काफी अच्छा ज्ञान प्रसार हो सकता है। साथ ही, हमारी युवा पीढ़ी पीछे भी नहीं रहेगी। निश्चित रूप से सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग कुछ जीवनशैली संबंधी समस्याओं को जन्म दे रहा है। शोधकर्ता और चिकित्सक लगातार कह रहे हैं कि चिंता जैसी समस्याएँ भी सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से जुड़ी हुई हैं।

आजकल लोग चैन की नींद नहीं ले पा रहे हैं। आप एक नगर आयुक्त के रूप में लोगों की जिंदगी में खुशी लाने के लिए क्या करना चाहेंगे?

किसी भी समस्या से निपटने के लिए 50% समाधान होता है कि हम उस समस्या को स्वीकार करें। अब हमें पता है कि यह समस्या है और हमें इससे निपटना है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री फिट इंडिया जैसे अभियान चला रहे हैं। हम गाज़ियाबाद में एक बरिष्ठ नागरिक देखभाल केंद्र भी ला रहे हैं शहर में, जहाँ बरिष्ठ नागरिकों को भी संवाद का एक मंच मिलेगा। वे भी एक सुखद और स्वस्थ जीवन जी सकेंगे। कई पहल हैं जो सरकार और नगर निगम ले रहे हैं।

RBI's Bold 50bps Rate Cut: Advantage for Middle Class

Pallavi Bhardwaj

New Delhi: India stand out as the fastest growing economy in 2025 as it has become the 4th largest economy in the world supported by nominal GDP, resilient consumption, proactive fiscal policy, and easing monetary policy. The key to maintain momentum depends on maintaining monetary balance, controlling inflation and providing on-going support.

So, in order to revive India's economic engine, the Reserve Bank of India (RBI) made its biggest interest rate cut in five years, by cutting the repo rate by a significant 50 basis point, from 6.0 percent to 5.5 percent. Alongside the rate cut the cash reserve ratio (CRR) will be lowered



by 100 bps in staggered tranches to increase liquidity by an estimated 2.5 trillion (USD 29 billion) by December 2025. Aiming to support 7-8% growth trajectory to boost employment. This recent decision by Monetary Policy Committee (MPC) marks a significant shift from a cautious approach to one focused on expansion.

Continued on Page 2...

Repo Rate: Rate at which RBI lends money to commercial banks. Reduced repo rate encourages banks to borrow more money from RBI and give benefits to consumers in form of low interest rate

	Before	After
Repo rate	6.0%	5.50
Cash Reserve Ratio	4.50%	3.50%

नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में चुनौतियां

खुशी सक्सेना

नई दिल्ली। नई शिक्षा नीति भारत की शिक्षा व्यवस्था को एक नई दिशा देने का प्रयास है। इसका उद्देश्य बच्चों को व्यावहारिक, लचीली और समग्र शिक्षा प्रदान करना है। हालांकि यह नीति भविष्य की पीढ़ियों को सक्षम बनाने के लिए तैयार की गई है, लेकिन इसके क्रियान्वयन में छोटे कॉलेजों और स्कूलों के सामने कई चुनौतियाँ खड़ी हो रही हैं।

नई शिक्षा नीति में कौशल आधारित शिक्षा, मातृभाषा में पढ़ाई, डिजिटलीकरण और बहु-विषयक अध्ययन जैसी कई नीतियाँ शामिल हैं। लेकिन इन बदलावों को लागू करना छोटे संस्थानों के लिए आसान नहीं है। तकनीकी संसाधनों की कमी, प्रशिक्षित शिक्षकों की अनुपलब्धता, और वित्तीय सीमाएँ इन संस्थानों के सामने बड़ी बाधाएँ हैं।

ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में स्थित छोटे स्कूलों के पास न तो पर्याप्त कंप्यूटर हैं, न ही इंटरनेट की अच्छी सुविधा। जब नीति डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देती है, तब इन स्कूलों को अपने बुनियादी ढाँचे को पूरी तरह से बदलना होगा। इसके लिए सरकार की सहायता के साथ-साथ निजी क्षेत्र की



भागीदारी भी जरूरी होगी।

एक अन्य चुनौती है शिक्षकों का पुनः प्रशिक्षण। टएड के तहत शिक्षकों को नई पद्धतियों, जैसे प्रोजेक्ट आधारित लर्निंग और मूल्य आधारित शिक्षा, में दक्ष बनाना अनिवार्य है। लेकिन छोटे संस्थान प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण देने और पाठ्यक्रम को दोबारा तैयार करने के लिए संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं।

छोटे कॉलेजों के सामने भी बहु-विषयक डिग्री प्रोग्राम को लागू करना आसान नहीं होगा। उनके पास सीमित फैकल्टी है, जो विभिन्न विषयों को पढ़ा सके। इसके लिए उन्हें नए शिक्षकों की नियुक्ति, कोर्स स्ट्रक्चर में बदलाव और सहयोगी संस्थानों के

साथ जुड़ाव की आवश्यकता होगी।

हालांकि नई शिक्षा नीति में छोटे संस्थानों को आत्मनिर्भर और नवाचारी बनने का अवसर भी मिलता है। यदि सरकार इनके लिए विशेष फंडिंग, ट्रेनिंग प्रोग्राम और तकनीकी सहायता की योजनाएँ बनाती है, तो ये संस्थान भी बदलाव की इस लहर में पीछे नहीं रहेंगे।

नई शिक्षा नीति शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने का एक सशक्त कदम है, लेकिन इसके सफल क्रियान्वयन के लिए छोटे स्कूलों और कॉलेजों को तकनीकी, शैक्षणिक और वित्तीय स्तर पर खुद को अपग्रेड करना ही होगा। तभी यह नीति अपने उद्देश्य को पूरी तरह से हासिल कर सकेगी।



स्कूल और कॉलेज एक नजर में

- ▶ देश में लगभग 4 लाख से अधिक निजी स्कूल हैं।
- ▶ भारत में लगभग 40,000 से अधिक निजी कॉलेज और 400 से अधिक निजी विश्वविद्यालय हैं।
- ▶ देश में लगभग 10 लाख से अधिक सरकारी स्कूल मौजूद हैं।
- ▶ भारत में लगभग 10,000 से अधिक सरकारी कॉलेज और 400 से अधिक सरकारी विश्वविद्यालय हैं।

स्कूलों को क्या करना है?

- ▶ 5+3+3+4 की नई संरचना अपनानी होगी।
- ▶ फाउंडेशनल लर्निंग पर जोर देना

होगा।

- ▶ मातृभाषा/स्थानीय भाषा में पढ़ाई को प्राथमिकता देनी होगी।
- ▶ टेक्नोलॉजी के साथ शिक्षा को जोड़ना होगा।

शिक्षकों को लाम

- ▶ ट्रेनिंग और स्किल डेवलपमेंट के अधिक अवसर मिलेंगे।
- ▶ प्रोफेशनल ग्रोथ के लिए समय-समय पर वर्कशॉप और अपस्किलिंग।
- ▶ ट्रांसफर और प्रमोशन की पारदर्शी व्यवस्था।

स्टूडेंट्स को लाम

- ▶ अधिक क्रिएटिव और स्किल-बेस्ड शिक्षा।
- ▶ परीक्षा के दबाव में कमी।
- ▶ पढ़ाई को करियर से जोड़ने के

बेहतर मौके।

इंफ्रास्ट्रक्चर में अंतर

- ▶ निजी संस्थान आधुनिक भवन, स्मार्ट क्लासरूम, लैब, लाइब्रेरी और खेलकूद की बेहतर सुविधाएँ प्रदान करते हैं।
- ▶ सरकारी संस्थानों में मूलभूत सुविधाओं की कमी होती है, खासकर ग्रामीण इलाकों में।
- ▶ सरकारी स्कूलों/कॉलेजों में शिक्षकों की योग्यता और स्थायित्व अधिक होता है, लेकिन शिक्षक संख्या कम होती है या उनकी उपस्थिति में कमी देखी जाती है।
- ▶ निजी संस्थानों में शिक्षक अनुबंध पर होते हैं, उन पर काम का दबाव ज्यादा होता है।
- ▶ निजी संस्थानों में प्रबंधन अधिक अनुशासित और परिणाम-केन्द्रित होता है।
- ▶ सरकारी संस्थानों में व्यवस्थागत समस्याएँ होती हैं, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है।

सामान्यतः निजी संस्थानों में आधुनिक पद्धतियाँ अपनाई जाती हैं जबकि सरकारी संस्थानों में परंपरागत तरीका चलता है।

Yoga Day Celebration



IMS News Service

Ghaziabad: The 11th International Yoga Day was organized by GMA in collaboration with district Administration and IMS Ghaziabad (University

Courses Campus). The chief guest was Sri Keshav Prasad Maurya, Deputy CM of Uttar Pradesh. Around 5000 persons including Faculty, Students, GMA members and govt. officials participated to celebrate Yoga Day.

Smartphones are Eroding Human Connection

Urvi

New Delhi: In today's time, smartphones are weakening human connections and drawing all of people's attention towards themselves. Many times, when someone doesn't have close relationships, they end up becoming more emotionally attached to their smartphones.

It can be said that smartphones have helped reduce distances between people through apps like Zoom, WhatsApp, Instagram, Facebook, and messaging. However, they have also increased emotional distance between people who are physically close. If humans continue to use smartphones excessively, it can increase anxiety, depression, and loneliness. Digital communication is replacing



face-to-face interaction. Earlier, when people had free time, they used to meet each other in person. But now, people talk only through video or voice calls, which is reducing real human interaction.

These days, even while eating meals, people are glued to their phones. The phone stays in front of their eyes all the time. The quality time that once existed is slowly disappearing because of constant smartphone notifications. While smartphones have made life easier and global communication more accessible, they are also silently damaging the quality of real human relationships.

It is important to use smartphones wisely and make time for genuine, face-to-face interactions—because no technology can ever replace the warmth of human connection.

Building Digital Confidence in MSMEs

IMS News Service

Ghaziabad: Ghaziabad Management Association, in collaboration of MSME Business Forum India, organized Seminar on “Building Digital Confidence in MSMEs: Secure, Scalable, Trusted.” at Hotel Ramada by Wyndham, Ghaziabad.

The seminar focused on bringing together industry experts, technology enablers, and forward-looking MSMEs to discuss practical, scalable, and secure ways to embrace digital tools and build long-term resilience.

The seminar was conducted in the form of two panel discussions. 1st Panel



discussion was on the main theme with panelists of CA Kavita Kapoor - Podcaster, Mr. Supriyo Mookherjee, CEO - Modulus Media Services Pvt. Ltd, Mr. Vedansh Gautam - Founder- Hindustan Vyapar, and moderated by Kavita Adhikary - Head - Operations & Global Partnerships.

Second panel discussion was on—Digitization Drives

Scalable Growth.

The panelists were—Ms. Preeti Sinha, Department of Airmail Husbandry & Dairying (GoI), TBA, Ms. Rimjhim Saikia - MD - Tatvik Ayurveda & Wellness Pvt. Ltd., Ms. Anshu Bhartiya - Risk Consultant at IBM and Moderated by - Mr. Ravi Nandan Sinha - Director MSME Business Forum India.

International Conference on Convergence of Applied Science in Engineering Technology

IMS News Service

Ghaziabad: Ghaziabad Management Association organized two-day International conference in association with the Department of Applied Sciences & Humanities, Ajay Kumar Garg Engineering College, Ghaziabad, and the Institution of Electronics and Telecommunication Engineers (IETE), Noida Centre.

The conference was on "Convergence of Applied Sciences in Engineering & Technology (COASET-2025)". The conference was centered around six multidisciplinary themes: -



Relevance of Applied Mathematics in Engineering & Technology, Relevance of Chemistry in Engineering, Recent Trends & Scope of Physics in Engineering, Strategic Management & Interpersonal Communication, Artificial Intelligence and Embedded Systems and Renewable Energy Sources and Energy Storage Solutions. The conference featured six technical sessions, with 28

papers presented online and 35 presented offline. A total of 147 abstracts were submitted, out of which 117 were accepted.

Subsequently, 95 full papers were received and 73 were selected for oral presentation after a rigorous single-blind peer review process. The valedictory session was graced by AVM P. K. Srivastava, along with Brig. V. K. Pandey and Shri G. P. Singh.

Yoga with Enthusiasm



IMS News Service

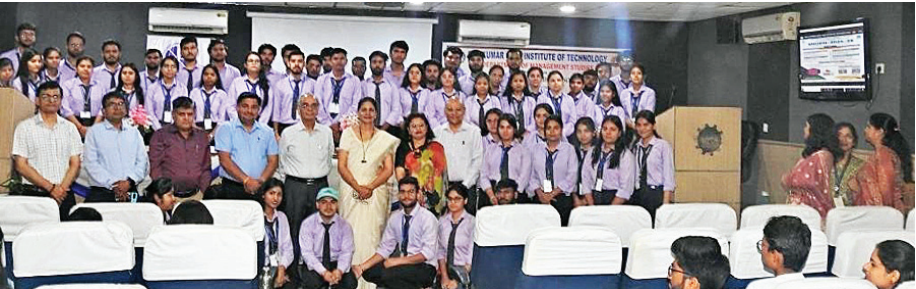
Ghaziabad: The 11th International Yoga Day was organized by Ghaziabad Management Association in collaboration with IPEM on 21st June 2025 at IPEM, Ghaziabad. yoga instructor was—Yogacharya Santoshji. About 45 participants assembled to celebrate yoga. The Yoga session started

with systematic practice of the Surya Namaskar. Different "ASANAS" of standing, sitting and lying position were performed under the instructions and supervision of Yogacharya. During the yoga session the yogacharya ji also taught ASANAS for the persons working in offices in sitting position and also for house wives and faculty members.

SHODH: Inter-Institute Paper Presentation Competition

IMS News Service

Ghaziabad: Department of Management Studies, RKGIT in association with GMA organized SHODH 2024-25 an Inter-Institute Student Paper Presentation Competition on June 4th, 2025 at RKGIT, Ghaziabad on the topic Sustainable Development and Growth-Challenges, Issues & Practices (SDG 2025). GMA is organizing SHODH continuously since 2018. On this occasion Graduate & Post-Graduate students from different colleges participated and presented



their research work. SHODH at an initial level is an effort to appreciate student participation in the booming field of research and let the students identify the importance of research in their curriculum. A total of both internal and external 60 participants from different colleges such as M.M.H.

College, ABESIT, ITS, KIET Ghaziabad, Kanpur Institute of Technology, IIMT Meerut etc. took part in the event. Chief Guest Dr. Arvinder Kaur (Dean, University School of Automation & Robotics at GGSIU) shared her valuable insights and practical exposure to the participants. The SHODH

2024-25 ended with the prize distribution ceremony to the participants. The winner was Mahima Miyan & Anshika Jain of ITS, Ghaziabad. 1st Runner-up were Tanishka Tyagi & Manya Singh of ABESIT Ghaziabad and 2nd Runner-up were Anjali Singh & Sejal Mishra of MMH College, Ghaziabad.

Jiya Chaudhary

SCI-TECH WORLD

Record-breaking black hole explosion since the dawn of the universe



NASA, the European Space Agency, and several ground-based observatories have just recorded the most powerful explosion ever seen in space. The event occurred when a black hole violently

tore a massive star to pieces. The explosion was so powerful that it gave off more energy than 100 exploding stars, even though those are already some of the brightest things in the universe. These rare cosmic explosions, called 'extreme nuclear transients,' have uncovered black holes that were hiding in faraway galaxies.

Mars' cracked ground could be keeping an old mystery buried



For the first time in more than ten years, NASA's Curiosity rover has made an amazing discovery on Mars. It took clear photos of rocks on Mount Sharp inside Gale Crater that show detailed

patterns, which look like giant spiderwebs. However, no Martian creatures made these patterns. They were formed by ancient groundwater that once flowed through cracks in the rocks, leaving minerals behind. Over millions of years, strong Martian winds removed the softer rocks around these cracks, leaving behind what NASA calls a "network of strong ridges."

NASA has discovered a comet from outside our solar system



Astronomers have just confirmed the discovery of a comet that came from beyond our solar system—only the third such interstellar visitor ever recorded. The object, now named 3I/ATLAS,

was first detected on July 1 by a NASA-funded telescope in Rio Hurtado, Chile, as it travelled through the sky near the constellation Sagittarius. Right now, it's roughly 420 million miles (or about 670 million kilometres) away from Earth. This remarkable find was officially announced by scientists earlier this week.

Continued Page 1...

RBI's Bold 50bps Rate Cut...

By lowering borrowing cost and promoting investment, especially in industries like housing and micro, small, and medium-sized businesses (MSMEs), this action of RBI seeks to boost economic growth.

Impact on Common people & Middle class
Lower EMIs on loans: Home, car and personal loan EMIs of people decreases as banks reduce lending rate, helping families to save money monthly.

Let's take an example of a salaried individual repaying 30 lakh home loan now could save over 10,000 a year by having their monthly EMI reduced by 800 to 1000.

Easier Access to credit: Financial assistance is now readily available for individuals seeking to invest in education, housing, or personal vehicles.

Reduced Fixed Deposit (FD) returns: When lending rates decrease, deposit rates typically decline as well. This impacts senior citizens and others dependent on interest income.

For ex: If a senior citizen holds a FD of ₹10 Lakh, their interest income has the potential to decline by up to ₹6000-₹7500 per year. This situation may lead them to start transitioning their money into mutual funds and Systematic Investment Plans (SIPs).

Boost in consumer spending: With lower EMI and borrowing costs, people may spend more on essentials and luxuries.

Small business relief: Lower borrowing costs benefit self-employed people and small businesses, helping them with expansion and managing working capital.

Indirect Job creation: Businesses may create new jobs as they borrow and expand more, which increases the job prospect for working class and young people.

This bold rate cut of RBI is a strategic bet to boost demand, empower borrowers and ignite growth while keeping inflation within target range of 2 to 6%. The immediate benefits of loan affordability for the common people and middle class outweigh the inconvenience of lower deposit returns. For market, this cut provides a liquidity lifeline, but it's long-term effects will depend on timely reforms, balanced transmission and careful fiscal support.

Mentoring: Guiding Students from Darkness to Light

Dr M. P. Singh

Teachers of today are the classroom leaders. These leaders are to assume the role of a mentor to produce the leaders of tomorrow. This process commences the day a student enters the portal of the college and continues well beyond the graduation day. Students of 18-22 age group are likely to be undergoing both biological and psychological changes. It needs to be remembered that the college students of today are also under stress, which they may not show. The classroom leaders lead these young students from darkness to light. Once in the bright and open environment, it is the faculty that models the personality of the young teenagers entering adulthood,



facilitating the transition from high school to college and contributing immensely towards their holistic development. Creating leadership at every level should be the hallmark of an organization. Accepting the central percept that serving

the students is indeed the very purpose of the organization, the faculty role would transform from pure classroom teaching to the one in which they create cross discipline learning environment. Globalization in general and liberalization

in education is rapidly changing the students' expectations. It is necessitating the faculty at all levels including academic administrators and every level of leadership to start acting and behaving like owners. The term ownership

Teachers as Mentors

An important & significant role of a teacher is to be a mentor of a given group of students. These students would be assigned to the respective mentors at the commencement of the programme who would remain mentors till the students pass out from the college. Their mentees would be carefully listening to each word they speak as mentors. Teachers are looked up to by hundreds of eyes, therefore, they must act as a role model for the students. Mentors would need to set a personal example of the highest order. For example, a faculty expecting good grooming and punctuality must set a personal example every day of the semester, whether inside the class or outside of it. True mentorship is about maximizing the strengths of others, not propagating your own.

deserves some elaboration. Ownership is not a matter of employees (Faculty & Staff) owning a part of the College /Department. It is all about treating every student as your own customer and not that of the institution concerned or the admission department

alone. Ownership of a student is synonymous with ownership of the College. It is the spirit of commitment that one must try to bring in at all levels in the College and hence, the most important aspect of leadership at all levels.



विश्वविद्यालयों की खबरें

Nandini Agarwal

Odisha govt to set up nine new medical colleges: Health and Family Welfare Minister

Odisha govt has announced to set up nine new medical colleges in the state. Informed health and family welfare minister Mukesh Mahaling. Out of nine colleges to be set up , four would be Dental medical colleges and one will be ayurvedic institute. The four MBBS colleges will be set up at Jagatsinghpur, Bhadrak, Dhenkanal and Nabarangpur districts, four dental colleges at Burla, Berhampur, Bolangir and Keonjhar, besides an Ayurvedic college in Mayurbhanj district.

IIM-Lucknow begins new academic session: 49.30% non-engineering students

The Indian Institute of Management, Lucknow, has started its new academic session with 643 students. These students are enrolled in various programmes like Post Graduate Program in Management (PGP), Post Graduate Programme in Agribusiness Management (PGP-ABM), Post Graduate Programme in Sustainable Management (PGP-SM), and Doctor of Philosophy (PhD) programmes. The IIM Lucknow has officially begun its new academic session for 2025, welcoming 643 students across its prestigious postgraduate and doctoral programmes. The new batch brings in a rich mix of academic backgrounds, with a nearly equal split between engineering and non-engineering students. This is a departure from the usual trend of a majority of management students coming from engineering backgrounds.

CBSE to conduct two board exams for class 10th from 2026

In a significant shift aimed at easing academic pressure on students and improving assessment quality, the Central Board of Secondary Education CBSE announced Wednesday the introduction of a two-term examination system for Class 10 starting from the 2026 academic year. Students will then be given an opportunity to improve their performance but will have to choose three subjects out of science, mathematics, social science, and the two language papers, going by the final policy for two board exams that the CBSE announced. The first attempt will be in February and the second attempt will be in May.



Anjali Singh

Stay protected from seasonal infections, boost immunity, and embrace the rains with smart health habits.

The survival of life on earth depends on equilibrium between the organisms and the environment. The monsoon is a seasonal variation prevailing in the Indian sub-continent. Monsoon has two seasons which are separated by a transition. The infectious diseases epidemiology is affected by both climatic and societal influences. An interaction of climatic and societal influence favours the infectious disease exposure in a population. The infectious diseases affecting the population can be broadly classified as vector borne diseases, food borne diseases, water borne diseases, and respiratory diseases. The rainfall associated change in temperature favours the survival of infectious diseases and their transmitting vectors. The changing global climatic trends including the EL Nino Southern oscillation bring undue rainfall during other seasons. The drastic events associated with these climatic

Health and Wellness

Monsoon Health Watch Tips for a Safer July



changes affect the health and sanitation infrastructure. India being a developing country has more vulnerability to such infections. A better strengthening of the infrastructure and health policies is the need of the hour to curb the infections. **Data of common Infectious diseases during the last few years** Between 2018 and 2022, India witnessed significant fluctuations in the number of reported cases of various communicable diseases. Malaria cases showed a consistent decline, from 4,29,928 cases in 2018 to 1,46,559 cases in 2022. Dengue saw a sharp increase from 1,01,192 cases in 2018 to a peak of 1,93,245 cases in 2021, before falling to 1,10,473 in 2022.

Chikungunya cases followed a similar pattern, rising from 57,813 in 2018 to over 1,19,070 in 2021, slightly dropping to 1,08,957 in 2022. Leishmaniasis cases steadily declined from 4,386 in 2018 to just 715 cases by 2022. Enteric fever had the highest reported numbers, with 8,31,515 cases in 2018, peaking at 9,58,244 in 2019, but falling drastically in the pandemic years, reaching 1,65,665 in 2022. Cases of Hepatitis A and Hepatitis E both showed a downward trend overall, with Hepatitis A decreasing from 12,479 in 2018 to 4,282 in 2022, and Hepatitis E falling from 7,037 to just 1,141 in the same period. Cholera cases also dropped

Common Infections to Watch Out For This Monsoon

Monsoon brings relief from heat but also a surge in infections due to high humidity, stagnant water, and temperature changes. Dr. Vinus Taneja, Consultant Physician at Sir Ganga Ram Hospital, warns of rising cases of: **• Dengue & Chikungunya:** Spread by Aedes mosquitoes, causing fever, joint pain, and fatigue. **• Malaria:** Transmitted via Anopheles mosquitoes; symptoms include chills and sweating. **• Typhoid:** A waterborne infection with fever, weakness, and digestive issues. **• Hepatitis A & E:** Caused by unsafe food/water due to poor hygiene. **• Respiratory & Skin Infections:** Common due to dampness and viral spread. (Dr. Taneja emphasizes timely medical care and public health awareness to reduce risks.)

Monsoon Diet: What to Eat and Avoid

(Dr. Ashish Kumar from Sir Ganga Ram Hospital advises strict food and water hygiene)

- Drink only boiled or filtered water.
- Eat freshly cooked, hot meals.
- Wash fruits/vegetables thoroughly; vinegar helps.
- Boil milk and avoid dairy from unreliable sources.
- Avoid raw or semi-cooked food, street drinks, and stale leafy vegetables.

These simple precautions can significantly reduce monsoon-related gut infections. While the monsoon refreshes the environment, it also challenges our health and hygiene. From vector-borne diseases like dengue and malaria to water and food-related infections like typhoid and hepatitis, this season demands extra vigilance. As we've seen through recent data, infection patterns fluctuate but remain a persistent threat—especially in densely populated areas like India. significantly, from 2,767 in 2018 to only 343 in 2022. Leptospirosis showed a fluctuating trend, starting at 7,378 in 2018, dropping to 3,137 in 2020, and rising again to 7,402 in 2022. Lastly, Influenza cases varied widely, peaking at 27,879 in 2019, dropping sharply to 401 in 2021, and slightly rising to 6,820 in 2022. These trends highlight the impact of public health efforts.

Monsoon Magic: Best Places to Travel in India

Anish Singh

From June through September, the monsoon season changes the varied terrain of India. With revived lakes, rich valleys, cascading waterfalls, and foggy mountains, tourists have a rare chance to see the country at its most vivid during the rains. Many people try to postpone their travel during the rainy season, but the benefits of colder temperatures, off-season savings, and fewer people make it among the finest times to find India's secret riches. Along with a range of affordable activities, scenic escapes, and cultural events, this guide highlights gorgeous places to explore during the rainy season all around the country. Set in the Western Ghats, Munnar in Kerala transforms into a magical monsoon getaway. Renowned for its vast tea plantations and foggy hills, this mountainside retreat is even more beautiful during the rainy season. While Eravikulam National Park provides a great location to see the threatened Nilgiri Tahr, the Attukal Waterfalls fall elegantly. The perfect place to savor a steamy cup of freshly brewed tea is on the misty nearby tea farms. Charming in the rain, Darjeeling, West Bengal is known as the "Queen



of the Hills." One of the most magical hill station experiences it offers is its mist draping over the homes and tea farms drenched in recent rain. A scorching mug of Darjeeling tea and the colonial charm of the town perfectly balanced the monsoon. Known as the "Scotland of India," Coorg is a wonder in the monsoon. Dense fog, cascading waterfalls, and thick coffee plantations decorate the mountains. The scent of freshly brewed coffee with moist earth is absolutely magical. The monsoon season brings with it vibrant blossoms and flowing streams that help to enhance every path and vista. Kodaikanal, Tamil Nadu, during the monsoon season, Kodaikanal offers a quiet and reasonably priced vacation. Because of its fresh air, pine forests, and foggy lakes, it is perfect for people, families, or couples looking for calm. During the wet season, when mist penetrates the forest and produces an enchanted environment, the waterfalls are their




most beautiful. In the mild rain, the star-shaped Kodaikanal Lake seems even more gorgeous. Because of the sharp mountain air and persistent drizzle of rain, every place looks like a movie scene. Particularly during the rainy season. Lonavala, Maharashtra, a well-known destination for weekend vacations, is found halfway between Mumbai and Pune. With its gorgeous scenery, lush mountains, and hazy, foliage-covered waterfalls, the region is great for a refreshing trip along trekking routes such as Rajmachi Fort and Duke's Nose. Finest Activities: trekking, seeing distant drives during the monsoon, and exploring ancient caves. Notable landmarks are the Bhushi Dam, Tiger's Leap, and the Karla and Bhaja Caves. With some of the highest rainfall on Earth, Cherrapunji in Meghalaya is a must-visit place on your monsoon bucket list. Examples of the harmonic cohabitation of people and nature include the renowned living root

Insights: Safety Guidelines


- Even if you encounter unexpected rain, synthetic apparel will yet offer defense.
- To avoid illness while traveling, bring an umbrella and keep your items in a waterproof bag.
- Another important tip for visiting India during the monsoon is packing your hair dryer.
- Put electrical devices like cameras and smartphones in a waterproof pouch to prevent rain from damaging them.
- Food choices: Choose your meals more carefully during the rainy season. Choose more secure alternatives if you can't wait to sample the regional cuisine while traveling. Avoid shellfish in the rainy season to lower your likelihood of foodborne illnesses. Eating airport food or clean local eateries is advised for a more safe experience.

bridges, storms, and waterfalls. The striking sky and deep valleys create a distinct mood. You may also go to Mawlynnong.

Knowledge



Solve Quiz No. 129



For Students

Solve the following quiz and reply promptly through email. Names and photos of students who answer correctly will be published in IMS TODAY. IMS Engineering college students can provide reply through personal submission-Editor. Email imstoday.imsec@gmail.com

1. Which of the following is NOT correct about an inelastic collision?

a) Linear momentum is conserved

b) Kinetic energy is conserved

c) Total energy is conserved

d) Some or all the forces involved may be non-conservative in nature

2. What is the absolute unit of power in C.G.S system?

a) Dyne

b) Erg

c) Watt

d) Erg /s

3. What is the measure of the response of the ear to the sound known as?

a) Pitch

b) Intensity

c) Loudness

d) Amplitude

4. Which of the following is correct about the properties of Sound waves?

a) Sound waves are longitudinal waves

b) Sound waves are transverse waves

c) Sound waves are both longitudinal and transverse

d) None of the above

5. What is the work done to move a unit charge from point to another called as?

a) Current

b) Resistance

c) Conductance

d) Potential Difference

6. What is the susceptibility of a diamagnetic material?

a) Positive and small

b) Positive and large

c) Negative

d) None of the above

7. Which of the following diodes is mostly commonly used as a voltage regulator?

a) LED

b) Varactor diode

c) Shockley diode

d) Zener diode

8. What is the charge of a p-type semiconductor?

a) Positive

b) Negative

c) Neutral

d) None of the above

9. Which of these is an acceptor impurity?

a) Phosphorus

b) Arsenic

c) Antimony

d) Indium

10. What happens to the resistance of a p-n junction diode when forward biased?

a) It becomes high

b) It becomes low

c) No effect

d) It becomes zero

Participation format

Quiz No.....

Name of Student.....

(also attach your PP size Photo)

Class.....Year.....

College name.....

Mobile number.....

Email.....

Present Address.....

Permanent Address.....

Answers (QUIZ-128) June, 2025 issue:

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10

a a c c d c c b a b

Prepared By: Prof. Pradeep Kumar, Assistant Professor (AS&H)

सम्पादकीय

भारत की निर्णायक भूमिका का समय

ईरान-इस्त्रायल के बीच युद्ध विराम तो हो गया है लेकिन इस युद्ध ने वैश्विक तनाव को काफी बढ़ा दिया है अमेरिका के प्रत्यक्ष हस्तक्षेप ने नई भू-राजनीतिक चुनौतियाँ उत्पन्न कर दी हैं। भारत, जो पारंपरिक रूप से रणनीतिक संतुलनऔर गैर-पक्षपात की नीति पर चलता रहा है, अब इस जटिल समीकरण में एक संवेदनशील स्थिति में खड़ा है। फिलहाल यहां पर शांति है लेकिन यह शांति कभी भी पुनः भंग हो सकती है और अगर पूरा मध्य पूर्व जंग की चपेट में आता है तो इसका विश्व की अर्थव्यवस्था पर व्यापक असर पड़ेगा। युद्ध के असर से भारत भी अछूता नहीं रहेगा। भारत को इस टकराव का रणनीतिक, आर्थिक और कूटनीतिक असर झेलना पड़ सकता है। ऐसे में भारत इस घटनाक्रम में तटस्थ नहीं रह सकता। बदली हुई परिस्थितियों में वह अपनी कूटनीतिक और रणनीतिक रुख से निर्णायक भूमिका सकता है। अगर युद्ध मध्य पूर्व में युद्ध की चपेट में आता है तो इसका सीधा असर तेल की कीमतों पर पड़ेगा,जिससे भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना तय है। गौरतलब है कि 22 जनु को अमेरिका ईरान-इजरायल युद्ध में कूद गया था। अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर बम बरसाकर हमला कर दिया। अमेरिका ने ईरान की जिन तीन परमाणु ठिकानों पर हमला किया है, उनमें फोर्दो, नतांज, एस्फाहान शामिल हैं। ईरान-इजरायल के बीच युद्ध में अमेरिका के कूदने के बाद ईरान ने संकेत दिया था कि वह होर्मुज जलडमरू मध्य को बंद कर सकता है। इसके अलावायमन के हूती विद्रोहियों ने भी अमेरिका के रॉशिय को निशाना बनाने की घोषणा कर दी थी यह ऐसा इलाका है जहां से दुनिया का सारा व्यापार गुजरता है। यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर से अदन की खाड़ी और मध्य/उत्तरी अरब सागर के अंतरराष्ट्रीय शिपिंग लेन से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाना शुरू किया तो पूराआवागमन बाधित हो जाएगा। इस रूट पर पहले तो सोमालिया के समुद्री लुटेरों ही व्यापारिक जहाजों के लिए समस्या होते थे, लेकिन अब यह नया जंग का खतरा बना हुआ है। यह पूरा मार्ग सबसे बड़ा डकैती का इलाका है। जिबूती और सोमालिया से लुटेरें इसी जगह पर डकैती डालते हैं। इसका कारण है कि यह व्यापार का एकमात्र और सबसे छोटा रूट है। इसलिए यहां पर ट्रैफिक बाकी जगह से कहीं ज्यादा है। यूरोप की तरफ जाने वाला ऊर्जा व्यापार भी ओमान की खाड़ी से होता हुआ अदन की खाड़ी से होते हुए लाल सागर फिर स्वेज केनल के जरिए भूमध्य सागर तक पहुंचता है। अगर जंग के चलते कभी अदन की खाड़ी वाला रूट बाधित हुआ तो मर्चे वेंसल को भूमध्य सागर तक पहुंचने के लिए या वहां से आने के लिए अफ्रीका के नीचे केप ऑफ गुड होप रूट से आना जाना करना होगा। यह मार्ग न सिर्फ समय को बढ़ाएगा, बल्कि कीमत भी बढ़ा देगा। सामरिक मामलों के जानकारी का कहना है कि अगर होर्मुज जलडमरू मध्य में जहाजों का आना-जाना बंद हुआ तो भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर बुरा असर पड़ेगा। इससे तेल की आपूर्ति में कमी आएगी। महानाई की आग भड़क सकती है। साथ ही, दुनिया भर में भी इसका असर देखने को मिलेगा। यह भारत की आर्थिक रफ्तार पर भी असर डाल सकता है। दरअसल,होर्मुज जलडमरू मध्य काफ़स की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण रास्ता है। दुनियाभर में जितना तेल और एलएनजी (तरलीकृत प्राकृतिक गैस) सप्लाई होता है, उसका लगभग 30 प्रतिशतइसी रास्ते से जाता है। अगर यह रास्ता बंद हो जाता है तो तेल की आपूर्ति कम हो जाएगी और कीमते बढ़ जाएंगी। थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (GTRI) के अनुसार मध्य पूर्व में बढ़ता तनाव इराक, जॉर्डन, सीरिया, लेबनान और यमन समेत पश्चिम एशिया के साग़र भारत के व्यापार पर बुरा असर डाल सकता है। इन देशों से भारत 33.1 बिलियन डॉलर (2.75 लाख करोड़) का आयात और 8.6 बिलियन डॉलर (74.5 हजार करोड़) का निर्यात करता है। भारत की विदेश नीति हमेशा गुट निरपेक्षता और बहुपक्षीय संवाद को प्राथमिकता देती रही है। भारत ने ईरान के साथ ऐतिहासिक, ऊर्जा आधारित, और सांस्कृतिक रिश्ते बनाए रखे हैं, वहीं इस्त्रायल के साथ सैन्य, तकनीकी और खुफिया सहयोग पिछले दो दशकों में गहरा हुआ है। अमेरिका के साथ भारत की रणनीतिक साझेदारी अब 'क्वाड' और 'इंडो-पैसिफिक' जैसी अवधारणाओं तक पहुंच गई है। अगर ईरान-इस्त्रायल युद्ध पुनः भड़कता है और उसमें अमेरिकी हस्तक्षेप होता है तो बदली हुई परिस्थितियों में भारत को अपनी संतुलनकारी विदेश नीति, ऊर्जा रणनीतिऔर वैश्विक भूमिका पर पुनर्विचार करना होगा।

The Impact of Marie Curie's Discoveries on Science

Marie curie, first woman who won Nobel Prize, was known for her intelligence work on radioactivity. She was the first person who won Nobel prizes in two different fields' physics and chemistry. In 1891, Curie moved to Paris for further studies. She earned her degrees in Physics and Mathematics from Sorbonne (university of Paris) and become the first women doctorate from Sorbonne. Curie as a women broke the barriers for women around the world and also revolutionized the understanding of modern science discoveries. Curie coined the term "radioactivity". Her groundbreaking work challenges the belief of indivisible atoms on nuclear Physics and Chemistry. She discovered that certain elements have ability to emit energy and spontaneously decay. Vision of this discovery has shaped the development of nuclear physics. She died in Passy, France on July 4, 1934.

Achievements of Marie Curie

- Polonium and Radium discovery (1898)
- Radioactive Isotopes Isolation.
- Invention of mobile X-ray unit (Little Curies).
- Radioactivity Theory

Curie with her husband Pierre curie discovered two highly radioactive, silvery-grey appearance elements which is Polonium and Radium. These new discoveries led to the development of atomic structure and behavior understanding. After the years of efforts Curie isolated radioactive isotopes and found pure radium chloride form. During world war 1st when soldiers were wounded on the battlefield, doctors had no efficient way to see inside soldier's bodies or unable to locate injuries done by bullets or shrapnel.

Marie curie was developing mobile X-ray unit also referred "Little Curies" to provide lifesaving diagnoses on the battlefield. Curie trained about 150 women trainees including her daughter as X-rays technicians to operate basic radiology effectively. Thus curie reduces thousands of deaths and become the first technology used in battlefield medicine. The theory of radioactivity emerged from the atomic physics field. The legacy of Curie work on matter and energy uncovering the phenomenon of radioactivity.



Arya Kumari

ईरान का परमाणु कार्यक्रम होगा बेलगाम

ईरान इस्त्रायल के बीच सीज फायर सुनकर सुखद लगता है और लगता है कि दुनिया तीसरे विश्व युद्ध या कहे कि कम से कम मिडिल ईस्ट युद्ध की विभीषिका से बच गया। साथ ही अमेरिका के राष्ट्रपति का यह दावा कि उसने ईरान के सभी परमाणु ठिकानों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है और उसकी हालत हिरोशमा जैसी हो गई है, काफी हास्यास्पद प्रतीत होता है। ट्रंप का यह बयान कुछ वैसा है जैसे उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच सीज फायर की जल्दबाजी में घोषणा की थी। वास्तविकता यह है कि ईरान के परमाणु बम बनाने की साइट को कुछ नुकसान तो हुआ है लेकिन वे पूरी तरह नष्ट नहीं हुए हैं, यह मैं नहीं कह रहा बल्कि इसका खुलासा अमेरिका की ही रक्षा खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट में हुआ है। हालांकि ईरान ने इस मामले में खुद बयान देकर कि उनके परमाणु साइटों को अमेरिकी बमबारी में नुकसान हुआ, इस मामले को तूल न देने की रणनीति का हिस्सा कहा जा सकता है। वर्तमान घटनाक्रम के बाद से एक बात तो साफ हो गई है कि इस्त्रायल और अमेरिकी हमले के बाद ईरान और अधिक आक्रामक और



डॉ. अनिल कुमार निगम

बेलगाम हो सकता है। यह स्थिति संपूर्ण मानवता के लिए भयावह हो सकती है। ईरान की सरकार ने यह स्पष्ट भी कर दिया है कि उनका परमाणु कार्यक्रम रुकने वाला नहीं है। इसी क्रम में ईरानी संसद ने संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) के साथ सहयोग निलंबित करने के विधेयक को मंजूरी दे दी है। विधेयक के अनुसार, निगरानी कैम्परे लगाना, निरीक्षण की अनुमति देना और IAEA को रिपोर्ट पेश करना तब तक निलंबित रहेगा, जब तक उसको परमाणु सुविधाओं की सुरक्षा की गारंटी नहीं दी जाती। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड



ट्रंप ने ईरान के परमाणु साइट पर अमेरिकी बमबारी की तुलना जापान के हिरोशिमा और नागासाकी से कर डाली। उन्होंने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के समय जब प्रशांत महासागर में भयंकर लड़ाइयों के बाद भी जापान ने हार नहीं मानी थी, तब अमेरिका ने अगस्त 1945 में हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराए थे जिससे वहां भारी तबाही हुई थी। इसके तुरंत बाद, जापान ने आत्मसमर्पण कर दिया था और युद्ध समाप्त हो गया था।

इसी तरीके से ईरान ने भी अमेरिका द्वारा गिराए गए बमों के बाद आत्मसर्पण कर दिया। अमेरिका की रक्षा खुफिया एजेंसी ने अपनी एक रिपोर्ट यह खुलासा किया कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह नष्ट नहीं हुआ है। ईरान के परमाणु हथियार बनाने में कुछ महीने का सिर्फ विलंब हुआ है। खुफिया रिपोर्ट में पाया गया है कि फोर्दो, नतांज और इस्फहान परमाणु ठिकानों पर हुए अमेरिकी हमलों से

काफी नुकसान हुआ, लेकिन वे पूरी तरह से नष्ट नहीं हुए। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने अमेरिकी हमलों से पहले ही कुछ अहम यूरेनियम सामग्री को इन साइटों से हटा लिया था, जिससे वह बच गई। साथ ही, ईरान के ज्यादातर परमाणु उपकरण भी सुरक्षित हैं। ईरान का फोर्दो यूरेनियम संवर्धन संयंत्र, जो पहाड़ के नीचे है, उसका मुख्य प्रवेश द्वार अमेरिकी हमलों से दह गया है। हमलों से फोर्दो ठिकाने के

बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। इसलिए इसकी मरम्मत में समय लगेगा। लेकिन अंदर का ज्यादातर हिस्सा अब भी सुरक्षित है। हालांकि खुफिया एजेंसी की इस रिपोर्ट को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इस्त्रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने खारिज कर दिया है और इसे पूरी तरह गलत बताया। कुछ दिनों के भीषण युद्ध के बाद ईरान इस्त्रायल के बीच युद्ध विराम तो हो गया है पर यह कितने दिनों तक चलेगा, कहना अत्यंत मुश्किल है। ईरान पर इस्त्रायल के हमले का उद्देश्य सिर्फ उसके परमाणु कार्यक्रम को रोकना ही नहीं था बल्कि एक उद्देश्य ईरान में सत्ता परिवर्तन भी है। दरअसल, ईरान की सत्ता कट्टर मजहबी नेताओं के कब्जे में है, जो हमาส और हिजबुल्ला का साथ देते हैं। सही मायने में देखा जाए तो इस्त्रायल के फिलहाल दोनों ही उद्देश्य पूरे नहीं हो पाए हैं और दूसरी ओर इस हमले के बाद ईरान में और अधिक मुखर हो गया है। ऐसे में यह सोचना कि मिडिल ईस्ट में शांति स्थापित हो गई है, गलत होगा। यह शांति अस्थायी है, आग तो अभी भी सुलग रही है जो कभी धक्क सकती है।

Silent Crashes, Shattered Lives: The Dark Side of Modern Transport

In recent weeks, the world and our country have witnessed a troubling rise in transport-related tragedies. Within just six weeks, there have been five helicopter accidents, a devastating train accident in West Bengal in 2024, and a tragic airplane crash in Ahmedabad in 2025. Each of these incidents has caused immense loss, sorrow, and shaken the nation, highlighting growing concerns over transport safety and maintenance standards. There are many such cases that give us a clear picture of how technology, while beneficial, can also be dangerous. These incidents highlight the double-edged nature of technological advancement. On one hand, it brings progress and convenience, and on the other, it can lead to devastating consequences when systems fail. It is important to evaluate both the positive and negative impacts of technology to ensure a safer and more responsible future. There have been several tragic



Anshu Kumari

incidents recently, such as the Ahmedabad plane crash, where the aircraft went down just within two minutes of takeoff. The plane was carrying employees and staff members, and the crash resulted in loss of so many lives.

Major Factors Leading to Accidents in Modern Transport Human Error

Accidents are often the result of human mistakes such as fatigue, negligence, or lack of proper training. Whether it's a pilot, train operator, or ground staff, even a momentary lapse can lead to disaster.

Technical Failures

Faulty engines, outdated systems, or software glitches in navigation and control systems are frequent causes of accidents. When machines fail mid-operation, the results are often catastrophic.

Weather and Natural Hazards

Unpredictable weather conditions like dense fog, heavy storms, or lightning strikes can



Heartbreaking Incidents

- In Kedarnath, a helicopter carrying seven people-including a child—crashed. Unfortunately, no one survived.
- In West Bengal, a railway accident caused three coaches to derail. The mishap occurred near the food court area of the train. While there were no passenger fatalities in that incident, it still raised serious safety concerns.
- These are not just isolated incidents-they highlight a worrying trend. While technology has undoubtedly made transportation faster and more efficient, it also has its limits. When it fails, the consequences can be devastating. These tragedies remind us of that technology, though beneficial, is not always reliable.

severely affect visibility and control. Natural events such as landslides in hilly regions also pose serious risks, especially for road and rail transport.

Poor Maintenance and Corruption

In many cases, cost-cutting measures lead to compromised maintenance. When combined with

corruption in safety audits and approvals, this becomes a dangerous recipe for disaster.

Overpopulation and Pressure on Systems

Overloaded buses, overcrowded trains, and congested transport networks place enormous pressure on infrastructure. These

overburdened systems often lack the capacity to function safely and efficiently.

In today's fast-moving world, modern transport , from airplanes and bullet trains to helicopters and high-tech vehicles ,have completely changed the way we travel. It's faster, more convenient, and connects us across distances like never before. But behind this impressive progress, there's a darker side we often overlook- one filled with unexpected crashes, technical breakdowns, and heartbreaking human loss.

There is an urgent need to ensure strict safety protocols for all modes of transport. Every vehicle whether it's a bus, helicopter, plane, or train must undergo thorough safety checks before departure. All transport systems should be inspected carefully, and every staff member must be properly trained and evaluated. Passengers, too, should be made aware of safety guidelines. Only after meeting all safety standards should any transport be allowed to operate. Ensuring this will help prevent future tragedies and save lives.

IRAN AND ISRAEL ON HIGH ALERTS

The conflict between Israel and Iran is not a sudden eruption, but a long-standing geopolitical, ideological, and military standoff that has deepened over decades. While tensions have always simmered in the Middle East, recent escalations in 2024 and 2025 have brought the Israel-Iran rivalry dangerously close to open warfare. Ideological and religious divides at the heart of the Israel-Iran conflict lies a profound ideological divide. Iran, a Shiite theocracy, has never recognized Israel's right to exist and supports the Palestinian cause, often framing Israel as an "illegitimate Zionist entity."

Meanwhile, Israel views Iran as an existential threat due to its hostile rhetoric and nuclear ambitions. One of the most serious issues fuelling this conflict is Iran's nuclear program. Israel sees a nuclear-armed Iran as a direct threat to its survival. Despite the Joint Comprehensive Plan of Action (JCPOA) in 2015, Iran's uranium enrichment activities and alleged violations of the agreement have escalated fears. Israel has conducted covert operations, including cyberattacks (e.g., Stuxnet) and assassinations of Iranian nuclear scientists, to curb Iran's nuclear capabilities.

The conflict extends beyond the borders of Israel and Iran. Iran funds and supports various militant groups such as Hezbollah in Lebanon, Hamas and Islamic Jihad in Gaza, and Shiite militias in Iraq and Syria, which are involved



Sanchita Mukherjee

Israel's strategic interests. Meanwhile, Israel has formed new alliances with Arab states (e.g., UAE, Bahrain) through the Abraham Accords, further isolating Iran.

One possible outcome is a limited regional war, primarily through airstrikes and missile attacks without full-scale ground invasion.

This would lead to significant casualties but may avoid drawing in global superpowers directly. If neighbouring countries like Lebanon, Syria, and Iraq are drawn in more deeply, the conflict could evolve into a regional war, especially if Saudi Arabia or Turkey respond militarily or politically. The United States, as a staunch Israeli ally, could become more actively involved. Conversely, Russia and China, both of whom have closer ties with Iran, might step in diplomatically or otherwise, increasing global tensions. This could lead to a new Cold War-like standoff. Despite the grim outlook, there is always room for diplomacy. Backchannel negotiations via countries like Qatar, Oman, or European Union intermediaries could result in a ceasefire or a new nuclear agreement (a

in skirmishes against Israeli interests. These proxies serve as Iran's extended arms, provoking Israel into military retaliation, particularly in Lebanon, Syria, and Gaza. Iran and Israel are locked in a power struggle to shape the Middle East's future. Iran seeks to establish a "Shiite crescent" stretching from Tehran to Beirut, which threatens



JCPOA 2.0), though that seems unlikely in the short term.

Both Israel and Iran face internal civilian threats from missile strikes, cyberattacks, and terrorist incidents. Gaza, Lebanon, and parts of Syria would suffer even more due to displacement, lack of medical aid, and infrastructure collapse. The Strait of Hormuz, a critical oil passageway, lies near Iran. Any escalation could disrupt global oil supplies, raising prices dramatically. A regional war would destabilize global markets, impacting inflation, food supply chains, and energy security. An intensification of this conflict could inspire radicalized groups across the world to target Israeli or Western interests, leading to a rise in terrorism and international insecurity. The conflict may force countries to reassess alliances. Gulf states like Saudi Arabia may reconsider relations with Iran or double down on ties with Israel. Meanwhile, Turkey, Russia, and China may play balancing roles, increasing their influence in the region.

The Chronology of Incidents

June 13: Israel launched "Operation Rising Lion"—airstrikes involving ~200 aircraft s targeting over 100 military and nuclear sites in Iran (Natanz, Tabriz, Tehran, Isfahan) and assassinated senior IRGC commanders.

June 21: Following more Israeli strikes on missile facilities (Tehran, Rasht, Isfahan), Turkey's Erdogan condemned Israel, accusing it of undermining Iran-US nucleartalk.


June 24: A fragile ceasefire took effect hours after Iran's missile attack on a Qatar airbase

June 26: Iran's Supreme Leader Ayatollah Khamenei claimed victory, threatened further attacks against U.S. bases, and applauded Iranian missile strikes — though few penetrated Israeli defences .

Casualties: Iranian losses reach 600–1,000+, including high-ranking IRGC officers. Israeli deaths number around 28, mostly civilians.

Diplomacy: Turkey, G7, and European diplomats call for de escalation. G7 issued a draft urging restraint; Erdogan accused Israel of sabotaging diplomacy .

Wider effects: Iran's involvement in supplying Russia with Shahed drones to Ukraine may be disrupted.



BOOK NOOK

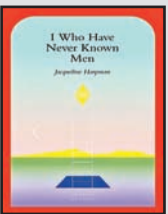
Mugdha Jugran

Book: **I Who Have Never Known Men**

Author: **Jacqueline Harpman**

Published: **May 10, 2022 by Transit Books**

Rating: **4 stars**




Strange, sparse, and quietly shattering, I Who Have Never Known Men follows a nameless girl raised in a cage beneath a forgotten world. With no memories, no history, and no answers, her journey becomes a meditation on solitude, survival, and what it means to be human. Harpman crafts a dystopia that's less about apocalypse and more about existential ache. It's hauntingly minimal, like staring into a void and finding your own reflection staring back. Unnerving and unforgettable.

Book: **Blue Sisters**

Author: **Coco Mellors**

Published: **September 3, 2024 by Ballantine Books**

Ratings: **3.8 stars**



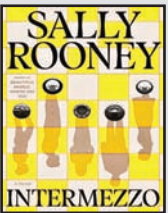
Raw, stylish, and emotionally fierce, Blue Sisters dives deep into grief, sisterhood, and the beautiful chaos of healing. It balances heartbreak and humor with sharp, unforgettable prose.

Book: **Intermezzo**

Author: **Sally Rooney**

Published: **September 24, 2024 by Farrar, Straus and Giroux**

Ratings: **3.8 stars**



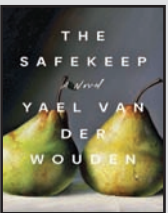
Quietly piercing and emotionally layered, Intermezzo captures grief, love, and the awkward silences in between. Rooney's signature style returns with sharp introspection and aching restraint, making every pause feel like a confession.

Book: **The Safekeep**

Author: **Yael van der Wouden**

Published: **May 28, 2024 by Avid Reader Press/Simon & Schuster**

Ratings: **4 stars**



Darkly atmospheric and quietly seductive, The Safekeep weaves desire, secrets, and the weight of history into a slow-burning, gothic tale. Each page simmers with tension, memory, and forbidden longing.

Sleep Affects Physical and Mental Health

Bhumi Chaudhary

Sleep is a fundamental human need, just like food and water. It plays a crucial role in maintaining both physical and mental health. In today's fast phase world, many people underestimate the importance of sleep, often sacrificing it for work, studies or entertainment. However, the long-term consequences of poor sleep can be serious and wide-ranging.

Physically sleep is the body's time for repair and recovery. During deep sleep, tissues grow and muscles repair themselves. The immune system is also strengthened, helping the body to fight off infections and illnesses. Lack of sleep weakens the immune response, making individuals more prone to getting sick. It can also lead to weight gain, as sleep deprivation affects

For mental health, sleep is equally essentials, it helps the brain process information and consolidate memories, which is why students are often advised to get enough sleep before exams.

hormones that control hunger. Moreover, chronic sleep deficiency has been linked to heart disease, high blood pressure, diabetes, and stroke.

Mentally, sleep is equally essentials, it helps the brain process information and consolidate memories, which is why students are often advised to get enough sleep before exams. Good



sleep improves concentration, decision-making, and creativity. On the other hand, sleep deprivation can result in poor focus, forgetfulness, and impaired judgment. It also effects mood, often causing irritability, anxiety, and even depression. In severe cases, prolonged lack of sleep can contribute to serious mental health

disorder.

In children and adolescents, sleep supports healthy growth and development. In adults, it maintains mental sharpness and emotional stability. Elderly people may experience changes in sleep patterns, but quality rest remains vital for their well-being as well. To ensure better sleep, experts

Impact on Mental Health

Mood Regulations: Sleep plays a vital role in regulating mood and emotions. Sleep deprivation can lead to irritability, anxiety, and difficulty managing emotions.

Cognitive Functions: Adequate sleep is essential for clear thinking, focus, and memory consolidation. Sleep deprivation can impair cognitive performance, making it difficult to concentrate, solve problems, and learn new things.

Mental Health Condition: Chronic sleep problem are linked to an increased risk of depression, anxiety, and other mental health disorder.

Impact on Physical Health

Immune System: Sleep is crucial for a healthy immune system. During sleep, the body produces protein and cells that help fight off infections and diseases.

Physical Repair and Restoration: During sleep, the body restores energy levels, and regulates hormone production, all of which are vital for maintaining physical health.

Increase Risk of Accidents: Sleep deprivation impairs reactions time and cognitive function, increasing the risk of accident and injuries both at work and while driving.

recommend maintaining a regular sleep schedule, avoiding screens before bed, creating a quiet and dark sleeping environment, and

limiting caffeine or heavy meals at night. Practicing relaxation techniques like meditations or reading can also improve sleep quality.

Let Your Rejections Shape Your Resilience

A big part of our success doesn't come from our wins — it comes from the times we faced rejection. Being told we're not good enough can hurt us deeply, but these moments often help us become stronger, more focused, and more determined. Strangely, the people who doubt us or say we can't do something often end up pushing us to grow. Their doubt becomes our drive, and their disbelief fuels our motivation to prove them wrong.

What separates successful individuals from others is not that they never face rejection — but how they respond to it. They don't let rejection stop them; they let it drive them. Every "no" becomes fuel for a stronger "yes."

As Nelson Mandela once said, "The greatest glory in living lies not in never falling, but in rising every time we fall."

Time and again we hear stories of individuals who were told they wouldn't make it — only to defy expectations and achieve



Jasmine Kaur

CAREER CANVAS

greatness. Take MS Dhoni, one of India's most iconic cricketer. Rejected by clubs and state teams early on. Many doubted his skills, but he stayed focused and determined. Dhoni not only made it to the Indian team but also led it to major victories.

Take the example of Amitabh Bachchan, one of India's most respected and loved actors. In the early days of his career, he was rejected by All India Radio because of his deep voice. Many film producers turned him away, saying he didn't have the looks or style for the screen. But he didn't give up. He kept trying, and today, that same voice is one of his biggest strengths.

Rejection has a powerful way of revealing our true purpose and potential. When the world says "no," we're faced with a choice — to shrink or to rise. Those who choose to rise know the journey ahead will be tough, but they take it as an opportunity to re-evaluate their goals, work harder, and tap into their strengths. In a strange way, those who underestimate others become silent contributors to their growth.

For students and professionals navigating the uncertainties of life, remember it's important to stop seeing rejection as a sign of failure. Instead, view it as a stepping stone—a necessary part of the path to success. So let every "no" strengthen your resolve. After all, it's not the rejection that shapes your future, but how you rise in response to it. That rise is where resilience is born.

Let rejection refine you- never define you.

If you have any query email to head.cdc@imsuc.ac.in

Growth Begins the Moment You Step Outside Your Comfort Zone: Alumni

Prateek, a BCA alumnus, is a passionate tech

enthusiast known for his innovative thinking and problem-solving abilities. With a strong foundation in computer applications, he has consistently embraced challenges as learning opportunities. His journey reflects not just academic excellence but a drive to stay ahead in the ever-evolving tech world.

What inspired you to choose BCA as your career path?

I was always fascinated by how technology works. BCA gave me the perfect balance of programming, theory, and practical skills to explore that curiosity and shape it into a potential career path in tech.

How was your overall experience as a BCA student at IMS Ghaziabad?

It was a mix of fun, challenges, and constant learning. The supportive faculty, coding fests, and teamwork during projects helped me grow not just academically, but personally too. It's a phase I'll always cherish.



PRATEEK

What was your first job after graduating, and how did you land it?

My first job was as a software tester in a mid-size IT company. I got selected through campus placement after a written test, group discussion, and two interviews. Good communication and basic coding helped me crack it.

What skills or technologies should current BCA students focus on?

Students should master at least one programming language, understand databases, and explore web or app development. Also, build soft skills, GitHub projects, and stay updated with tech trends like AI, cloud, or data science.

But Middle Class Remains Neglected

Abhanshu Dwivedi

Saving is the key to a secure future and lasting wealth" — this wasn't just a lesson taught to Indian children, it was a way of life. Today, it has become a necessity for every middle-income household striving to stay ahead. India's middle class is a socio-economic group that earns between 5 lakh and 30 lakh annually.

According to a report by PRICE (People Research on India's Consumer Economy), 1 in every 3 Indians is currently part of the middle-income segment. By 2047, this number is expected to double, meaning 2 out of every 3 Indians will be middle class. The middle-income class is the driving force for a nation, whether the controller of market, the politics and the growth.

The middle class carries the burden of running the nation. As per CBDT (Central Board of Direct Taxes), over 60% of India's income tax comes from the salaried class. In contrast, the wealthy have access to tax-saving tools like business deductions, offshore investments, and luxury asset depreciation. The poor, on



Food Inflation Rate Data of Three Year

- ▶ This group in India grew 6.3% per year between 1995 and 2021, according to a report by the People Research on India's Consumer Economy (PRICE).
- ▶ The middle class now represents 31% of India's population.
- ▶ It is projected to hit 38% by 2031 and 60% by 2047.

the other hand, earn below taxable limits. The middle class is paying taxes without getting welfare, while others enjoy subsidies, free schemes, and exemptions.

Today's middle class faces immense pressure to maintain social status. Items

like cars, washing machines, air conditioners, and smartphones have become aspirational essentials and are now not luxuries. To meet these expectations, many families rely on consumer credit, resulting in EMI traps. Home loans, car loans, education loans, gold loans and credit card dues eat away their monthly income. According to a report by Economic Times Wealth

Over the past decade, income growth in the middle class has remained almost flat. The Financial Times reported that those earning 5 lakh to 1 crore annually saw just 0.4% Compound Annual Growth Rate (CAGR) in income, while inflation surged dramatically. The cost for education is increasing day by day and the quality there, it decreases.



Anshu Kumari

- **Nelson Mandela International Day:** Nelson Mandela International Day occurs every year on July 18th. This day honors the life and legacy of Nelson Mandela, a worldwide symbol of the struggle for freedom, equality, and social justice.
- **International Chess Day:** International Chess Day is celebrated each year on July 20th to mark the establishment of the International Chess Federation (FIDE) in 1924.
- **Kargil Vijay Diwas:** Kargil Vijay Diwas is celebrated on July 26th each year in India to commemorate the victory of the Indian Armed Forces in the Kargil War of 1999.
- **Hariyali Teej:** Hariyali Teej is observed on 27 July. It is celebrated to honor the divine reunion of Lord Shiva and Goddess Parvati, symbolizing a woman's devotion, love, and commitment to her husband, and celebrating the strength of marital harmony.
- **World Hepatitis Day:** July 28 was selected as the date to observe this day in honor of Nobel Prize-winning scientist Dr. Baruch Blumberg, who discovered the hepatitis B virus (HBV) and created both a diagnostic test and a vaccine for it.
- **International Tiger Day:** July 29th is celebrated as International Tiger Day to celebrate the agreement signed by 13 tiger range countries during the Saint Petersburg Summit in 2010.
- **World Ranger Day:** World Ranger Day, observed each year on July 31st, pays tribute to the commitment and bravery of rangers who safeguard the world's natural and cultural heritage.
- **Yorkshire Day:** Yorkshire Day, observed every year on August 1st, honors the rich heritage, traditions, and unique identity of the Yorkshire region.
- **Hiroshima Day:** Hiroshima Day, observed on August 6th, commemorates the atomic bombing of Hiroshima in 1945 during World War II and is a day to promote peace and raise awareness about the devastating effects of nuclear weapons.
- **Nagasaki Day:** Nagasaki Day, marked each year on August 9th, remembers the tragic atomic bombing of Nagasaki by the United States during World War II and honors the lives lost in the disaster.
- **International Youth Day:** International Youth Day, observed every year on August 12th, is dedicated to acknowledging the achievements of young people worldwide and highlighting the issues and challenges they encounter.
- **Independence Day:** India's Independence Day, observed on August 15th, marks the country's liberation from British colonial rule in 1947. It is a day to pay tribute to the sacrifices of freedom fighters.



IMS GHAZIABAD
(University Courses Campus)

www.imsuc.ac.in

2nd in Placement All India

4th in North India

By Times School Survey - 2022

SALIENT FEATURES

- NAAC Accredited with 'A' Grade
- In-Campus Hostel Facility
- Super Specialization for all Courses
- International and Domestic Placements
- Free Transport Facility

COURSES

BBA
BUSINESS ADMINISTRATION

BCA
With DIPLOMA IN DATA SCIENCE & FIVE SPECIALIZATIONS

BAJMC
JOURNALISM AND MASS COMMUNICATION

B.Sc.(H)
BIOTECHNOLOGY | MICROBIOLOGY

M.Sc.
BIOTECHNOLOGY

MIB
MASTERS IN INTERNATIONAL BUSINESS

NH-09, Adhyatmik Nagar, Ghaziabad | Phones: 0120-4980000 (+30 Lines) | Mobile: 09599814461-65
Toll Free: 1800-102-1214 | Website: www.imsuc.ac.in | E mail: director@imsuc.ac.in

WE HAVE NO BRANCH IN NOIDA

NHRDN Chapter Meet Organized



IMS News Service

Ghaziabad: IMS Ghaziabad, the only B-school in North India to host a dedicated NHRDN (National HRD Network) Chapter, organized a power-packed session that brought together esteemed dignitaries from the Ministry of Human Resource Development and senior HR professionals from more than ten leading corporate houses.

The event served as a unique platform for students to engage with industry experts and gain valuable insights into modern HR practices, recruitment

strategies, and the dynamic skill sets required to thrive in today's competitive job market. Eminent speakers shared their perspectives on the evolving role of HR, the importance of upskilling, and how industry-recognized certifications can significantly enhance

employability. Students received practical exposure to how HR functions in real-world scenarios and what recruiters truly look for beyond academic credentials. The presence of such influential thought leaders made the event an enriching experience, reinforcing IMS Ghaziabad's commitment to bridging the gap between academia and industry. The success of this NHRDN Chapter session highlights the institute's forward-looking vision and its continued efforts to prepare students to become industry-ready professionals equipped with the right knowledge, skills, and mindset.

IMS Awarded with Prestigious Excellence Award in Education

IMS News Service

Ghaziabad: IMS Ghaziabad continues its journey of excellence and recognition under the torch-bearing leadership of Shri Nitin Agarwal, Managing Trustee, and the visionary guidance of Dr. Prasoon Mani Tripathi, Director, IMS Ghaziabad. On the 2nd day of the PGDM Induction Program, 19th June 2025, IMS Ghaziabad was proudly conferred with the Prestigious Excellence Award in Education, marking a moment of immense pride and achievement for the institution. What made this



honour truly remarkable was that IMS Ghaziabad emerged victorious among a

highly competitive field, including top-tier institutions like IIMs, IITs,

and several renowned B-schools across the country. This recognition stands as a testament to the institute's unwavering commitment to academic innovation, industry-aligned learning, student-centric development, and impactful thought leadership. Receiving such an award during the induction period not only energized the new batch but also reinforced the institution's position as a frontrunner in management education. With consistent milestones like this, IMS Ghaziabad continues to build a legacy defined by quality, integrity, and national recognition.

News Brief ...

POSH Awareness Session for PGDM Batch



Ghaziabad (IMS News Service): IMS Ghaziabad recently organized a POSH Awareness and Gender Sensitization Workshop, reinforcing its commitment to fostering a safe, inclusive, and informed campus environment. The session was conducted by Dr. Sunita Handa Khurana, a veteran expert in the field, who has conducted over 200 such workshops across institutions and government bodies. With her extensive experience, including serving on the Women Cell and various government boards, as well as training bureaucrats at multiple levels, Dr. Khurana brought a wealth of practical knowledge and insight to the session. During the workshop, students were educated on key aspects of the POSH (Prevention of Sexual Harassment) Act, along with several relevant legal frameworks, amendments, and their real-world applications. The session was enriched with impactful case studies, enabling students to understand the power and utility of these laws in various professional and personal scenarios. This initiative by IMS Ghaziabad not only aimed at awareness but also at building a more empathetic, legally informed, and gender-sensitive future workforce.

Market Capture Game-Based Activities

Ghaziabad (IMS News Service): As part of its dynamic and engaging induction program, IMS Ghaziabad organized an exciting event titled 'Market Capture' for the incoming PGDM Batch 2025-27 on the 5th day of induction. The activity was creatively designed to combine fun, learning, and teamwork, helping students build connections while sharpening their strategic thinking and problem-solving skills. The event featured a series of management and strategy-based games, including interactive activities like Hula Hoop Challenge and Human Chain Formation, among others. These team-based exercises were thoughtfully executed across different parts of the campus, encouraging students to explore, collaborate, and compete in a vibrant learning environment. More than just games, the activities were structured to instil core business skills such as leadership, coordination, time management, and strategic decision-making. The winning team was rewarded with exclusive IMS Ghaziabad goodies, adding an element of celebration and recognition to the day's enthusiasm.

IMS emerged as Preferred Training Partner for PNB Senior Management



Ghaziabad (IMS News Service): In a remarkable demonstration of academic leadership and institutional trust, IMS Ghaziabad has emerged as a preferred destination for Training Programs and Management Development Programs (MDPs) for government and public sector organizations. During the months of May and June 2025, the institute successfully conducted over 50 one-day training sessions for senior management professionals of Punjab National Bank (PNB) across various cities in North India. The large-scale initiative was powered by a team of 10 experienced faculty members from IMS Ghaziabad and spanned prominent locations such as Bareilly, Meerut, Moga, Delhi, Moradabad, Ghaziabad, Muzaffarnagar, Bulandshahr, among several others. Each session was meticulously crafted to enhance managerial competencies, leadership effectiveness, digital adaptability, and decision-making skills relevant to the banking sector. This expansive training rollout underscores IMS Ghaziabad's growing influence as a reliable academic partner for professionals.

IMS Ghaziabad Featured in Prestigious Outlook Magazine

IMS News Service

Ghaziabad: True excellence speaks for itself — and when work is carried out effortlessly with unwavering dedication, recognition naturally follows. In a moment of immense pride, IMS Ghaziabad has been prominently featured in the prestigious Outlook magazine, further affirming its position as a thought leader in management education.

The feature includes an insightful article authored by Dr. Prasoon Mani Tripathi, Director, IMS Ghaziabad, who shared his expert perspective on one of the most transformative topics of our time: Artificial General Intelligence (AGI) and its impact on the global business landscape. The article delves into the evolving nature of intelligence, automation, and strategic decision-making, offering readers a futuristic outlook on how AGI could redefine leadership, workforce structures, and organizational competitiveness across industries. This remarkable recognition not



only celebrates the intellectual contribution of IMS Ghaziabad but also reflects the institute's continuous efforts in aligning academia with cutting-edge global developments. The feature in Outlook stands as a testament to IMS Ghaziabad's growing influence and thought leadership in the world of business education and beyond.

Professional Development Training Program

IMS News Service

Ghaziabad: IMS successfully conducted a Professional Development Training Program for senior professionals of Indian Oil Corporation Limited (IOCL) at Panipat. Designed to elevate workplace capabilities and managerial effectiveness, the program focused on a holistic blend of soft skills, ethical frameworks, and digital



proficiency. The training was led by distinguished faculty members Dr. Abhishek Bhushan Singhal and Dr. Anchal Mishra, who conducted impactful

Document and Presentation Skills. The sessions emphasized real-world application, ensuring participants could immediately integrate their learnings into their professional roles. This high-impact program was managed by Shri Uttam, Chairperson – MDP Cell, and conducted under the visionary guidance of Dr. Prasoon Mani Tripathi, Director, IMS Ghaziabad.

Dr. Prasoon Mani Tripathi Represents India at AACSB Accreditation Workshop Summit in South Korea

Ghaziabad (IMS News Service): In a proud moment for Indian academia, Dr. Prasoon Mani Tripathi, Director of IMS Ghaziabad and Managing Committee Member of PHDCCI, represented India at the prestigious AACSB Accreditation Workshop Summit held in Seoul, South Korea during the last



week of June 2025. Among the select few academicians from India, Dr. Prasoon's participation

marks a significant recognition of his expertise and leadership in advancing global standards in management education. The summit, organized by AACSB (Association to Advance Collegiate Schools of Business), brought together top academic leaders from across the world to engage in high-level discussions on international accreditation, quality frameworks, academic innovation, and institutional excellence.

NHRDN Chapter Expert Session for HR Specialisation Aspirants

IMS News Service

Ghaziabad: Alongside the prestigious NHRDN Chapter event, IMS Ghaziabad conducted a focused Expert Session for HR specialisation aspirants from the newly inducted PGDM batch.

The session saw enthusiastic participation from over 100 students, who engaged in insightful one-on-one interactions with a panel of seasoned HR professionals representing

top-tier corporates and MNCs. This exclusive expert interaction offered students a deep dive into the world of Talent Management, Strategic Human Resource Management, Global HR Practices, MNC work culture, and industry expectations. The session proved to be an exceptional learning platform where students raised pertinent questions and received practical, experience-based insights from leaders in the

field. Such initiatives reflect IMS Ghaziabad's commitment to bridging the gap between classroom learning and industry realities, especially by exposing students early in their journey to real-world HR challenges, trends, and opportunities. The NHRDN Expert Session added significant value to the induction program, inspiring students to shape their academic focus and career vision with clarity and confidence.



Engaging Power Dressing Session by Nidhi Saini

IMS News Service

Ghaziabad: IMS Ghaziabad conducted a power-packed session on "Power Dressing" as part of the ongoing induction program for the PGDM Batch 2025-27.

The session was led by Ms. Nidhi Saini, a renowned image consultant and grooming expert, who brought energy, insight, and elegance to the stage. The session began with an interactive ice-breaking activity, setting a warm and lively tone for the day. Students enthusiastically participated, and a few were even rewarded with chocolates by the resource person for their active involvement. What followed was an eye-opening journey into the world of professional attire and personal branding. Ms. Saini covered a wide spectrum of topics including the importance of first impressions, dos and



don'ts of corporate dressing, understanding shade cards, identifying skin tones, choosing the right accessories, and how the right attire can complement and elevate personality. She also emphasized how dressing goes beyond fashion—it reflects confidence, credibility, and presence, especially in the professional world. The session not only educated students on wardrobe essentials but also instilled in them the importance of grooming as a tool for self-expression and career readiness. It was a perfect blend of fun, fashion, and professional finesse, making it one of the most engaging sessions.

News Brief ...

MoU Signing Ceremony

Ghaziabad (IMS News Service): IMS Engineering College, Ghaziabad is proud to announce the signing of a Memorandum of Understanding (MoU) with CSharp Inc., marking the beginning of a strategic partnership aimed at enhancing academic excellence and industry-oriented skill development for our students. Key Objectives of the MoU are Students Ambassador Program, real-time project exposure and certifications and training assistance on cutting edge technologies. The MoU was signed in the presence of Prof. (Dr.) Manas Kumar Mishra – Director, IMS Engineering College, Mr. Atul Gupta- VP Events and Dr. Sonia Juneja– Head of the Department (CS). Signing an MoU with CSharp will bring immense benefits including hands-on training, real-time project exposure, and industry-recognized certifications. It is an initiative to bridge the gap between academia and industry and to empowers students with the latest tech skills—paving the way for future-ready professionals.

Expert Talk on MongoDB



Ghaziabad (IMS News Service): The Department of Computer Science & Engineering of IMSEC, Ghaziabad organized an impactful expert talk on MongoDB for 2nd year CSE students at auditorium, C Block. The speaker Mr. Basavadarshan G N, Senior Academia Partnership Manager – APAC, MongoDB in Collaboration with ICT Academy conducted the session. The session provided students with a deep dive knowledge into NoSQL technologies and how MongoDB powers modern applications that demand scalability, flexibility, and high performance. Mr. Basavadarshan G N shared real-world applications, technical insights, and industry expectations from future tech professionals. He emphasized on MongoDB’s growing role in AI, IoT, Analytics, and enterprise-grade solutions. The distinguished guests from ICT Academy present in the session were Mr. Abhinandan Pandey – Senior Manager (State Head), ICT Academy and Mr. Satyendra Narayan – Relationship Manager, ICT Academy. The session was coordinated by Mr. Vibhor Harit, Mr. Gaurav Gulati and Ms. Neha Rani, Assistant Professor, Department of CSE.

TCS Pool Campus Drive at IMS Engineering College

Ghaziabad (IMS News Service): IMS Engineering College, Ghaziabad hosted a successful Pool Campus Drive by Tata Consultancy Services (TCS). A large number of enthusiastic students participated, showcasing their skills and talent through various selection rounds. The event marked a valuable opportunity for aspiring engineers to begin their professional journeys with one of India’s leading IT companies.

SIP & Specialization Session by the MBA Department



Ghaziabad (IMS News Service): Department of MBA of IMSEC, conducted an informative session for MBA (1st year) 2nd semester students regarding Summer internship program and also helping them for their specializations. All the faculty members shared information regarding each specialization like Marketing, HRM, IT, OM and IB. Students have asked various queries regarding specializations and upcoming summer internship opportunities for them. Session was organized by faculty coordinator Dr. Pallavi Singh, Dr. Pratibha Pandey, Dr. Riyazuddin.

SIP & Placement Department Interaction Session Conducted



Ghaziabad (IMS News Service): The Head of CDC, Ms. Ekta Singh and Mr. Ankit Jain of IMSEC, Ghaziabad conducted a counseling session for MBA students to address academic concerns, career guidance, and personal development. The session aimed to provide insights into industry trends, enhance student’s confidence, and clarify doubts regarding their SIP and future placement programs. The session was coordinated by faculty coordinator Dr. Sapna Kumari and Dr. Siby James.

SPIC MACAY-Heritage Club Debuts

IMS News Service

Ghaziabad: June 21st, 2025, was a day of inspiration, learning, and cultural celebration at IMS Ghaziabad, as the institute proudly hosted the first-ever event of the SPIC MACAY-Heritage Club.

The day unfolded as a vibrant blend of heritage, leadership, and holistic development, truly reflecting the spirit of IMS’s commitment to nurturing well-rounded professionals. The cultural evening was graced by India’s celebrated classical icons—Pt. Bhola Nath Mishra, a renowned Hindustani vocalist known for his soul-stirring renditions, accompanied by his talented team, and Ms.



Mahua Shankar ji, an internationally acclaimed Kathak exponent. The event witnessed a houseful auditorium, mesmerized by

the rich display of classical music and storytelling through Kathak. Pt. Bhola Nath Mishra spoke passionately about the resurgence of classical music among Indian youth, emphasizing its emotional depth and cultural relevance. Ms. Mahua Shankar ji, with her graceful performance, introduced students to the narrative essence of Kathak,

demonstrating how dancers use rhythm and expression to tell timeless stories. The day was eventful from the start, beginning with early morning yoga, followed by a series of powerful engagements including the NHRDN Chapter launch, one-on-one HR expert sessions, a bootcamp session, and finally culminating in the SPIC MACAY cultural showcase. This inaugural event of the SPIC MACAY-Heritage Club was not just a performance—it was a journey through India’s artistic soul, setting a strong foundation for cultural consciousness and creative expression among the future business leaders of IMS Ghaziabad.

World Environment Day Celebration at IMS EC



IMS News Service

Ghaziabad: The Department of Applied Sciences & Humanities at IMS Engineering College, Ghaziabad, celebrated World Environment Day with a spirited plantation drive and poster making competition under the theme “Green Revolution”. Trees were planted as a tribute to Mother Earth. Students creatively promoted environmental



awareness by taking part in poster competition. The event was inaugurated by Director Prof. (Dr.) Manas Kumar Mishra, emphasizing the role of trees in biodiversity and climate control. Dr. Amit Sharma (Dean Student Welfare), Dr. Jyoti Sinha (HoD AS&H), and faculty members also actively participated, reaffirming their commitment to sustainability.

Value-Added Course on Introduction to Artificial Intelligence and Machine Learning

IMS News Service

Ghaziabad: A value-added course titled “Introduction to Artificial Intelligence and Machine Learning” was successfully organized for MCA at IMSEC First Year students from 27th May to 14th July, 2025.

The objective of the course was to introduce students to the fundamental concepts of Artificial Intelligence and Machine Learning, along with their diverse applications across scientific and technological domains. The sessions were conducted by Dr. Vivek Pandey, a distinguished technical expert in AI/ML. Dr. Pandey shared valuable insights into the scope, applications, and real-world



impact of Artificial Intelligence, illustrating how AI has become an indispensable part of modern life. He also elaborated on the technical foundations of AI/ML, helping students build a strong conceptual understanding and awareness of future trends in the field. Students showed active participation and great enthusiasm throughout the course. The program was highly beneficial in

Author’s Talk on Leadership and Strategy



IMS News Service

Ghaziabad As part of the ongoing Genesis 2025 Induction Program, IMS organized a special book author’s talk on June 30th, 2025, offering yet another enriching experience for the newly inducted PGDM batch.

The session was graced by Mr. Akarshan Srivastava, renowned author and strategy director, who delivered an insightful and engaging address in the college auditorium. The talk revolved around his widely

appreciated book on successful leadership and strategic thinking, providing students with practical takeaways and real-world perspectives on navigating leadership challenges in today’s dynamic business environment. Mr. Srivastava shared key leadership hacks, anecdotes from his professional journey, and lessons on building vision, resilience, and influence—qualities essential for aspiring business leaders.

The session served as both a book review and a deep dive into leadership philosophies, sparking curiosity, questions, and meaningful discussion among the students. Initiatives like these reflect IMS commitment to holistic learning, industry exposure, and thought leadership.

Global Theme: Yoga for One Earth, One Health

IMS News Service

Ghaziabad: To mark International Yoga Day 2025, IMS Engineering College, Dasna, Ghaziabad organized a vibrant yoga event, embracing the theme “Yoga for One Earth, One Health.” The event highlighted yoga’s power to cleanse both body and mind, empowering individuals to face life’s challenges with strength and clarity. The session was led by renowned yoga practitioners, including - Shri Laxmi Kishore Awasthi, Sangathan Mantri & Yog Guru, Patanjali Yog



Samiti, Haridwar, Shri Vaibhav Negi, Faculty, Art of Living, Dr. Mini Chandra and Shri Purusharth Gandhi, Art of Living, Ms. Vishakha

Vashisth, M.A. in Yoga. The event witnessed enthusiastic participation from students, faculty, and staff, fostering a collective spirit of wellness and unity. IMS Engineering College expressed sincere gratitude to all the guests for their time and active support in making the event a great success.

Glimpses of Celebration A Session on Project-Based Learning

IMS News Service

Ghaziabad: A session on Project-Based Learning (PBL) was successfully conducted by Department of Computer Science, as part of a forward-thinking initiative led by Dr. Sonia Juneja, HoD, Computer Science Department. The session introduced students to the concept of Domain-Based Value Added Courses, offered by the department especially designed to enrich traditional learning through real-time projects and hands-on experience. The session focused on project-based learning in four high-



demand domains: Cloud Computing, Data Science with Python, Web Development with Python and Cyber Security.

The session was graced by two esteemed speakers: Mr. Shiv Tripathi, Professor of Practice (CS) and Associate Director- IT audit and Circor International Inc. and Ms. Hunny Gaur, Assistant

Professor (CS). Both speakers provided deep insights into the respective domains, shared real-world applications, and guided students on how to approach domain-specific projects effectively. Their valuable inputs helped bridge the gap between theoretical concepts and practical implementation.

Internship Orientation Session



IMS News Service

Ghaziabad: MBA Department of IMSEC, and TalentGro Global Ltd. jointly organized an Internship Orientation Session to provide students with a comprehensive understanding of the internship process. The objective was to familiarize

them with guidelines, expectations, and procedures related to internships, as well as to prepare them for a professional work environment. The program was arranged under the aegis of a Memorandum of Understanding (MoU) already inked between MBA Department, IMSEC and TalentGro Global Ltd. Mr.

Sanjay Aggarwal and Ms. Indu Aggarwal, founders of TalentGro Global shared their valuable insights to the orientation program. Dr. M.P. Singh, HoD, MBA also expressed his ideas to the students. The session was organized to inform and guide students about the various summer internship opportunities available across

different sectors. The aim was to help students understand the importance of internships, how to apply, and how to make the most of the experience. The session began with an overview of what internships are and why they are crucial for career development. Emphasis was placed on gaining practical experience, building professional networks, and improving job readiness. The session successfully created awareness among students about the importance of internships and provided actionable insights on how to secure and make the best of internship opportunities. It encouraged proactive preparation and strategic planning for career development.

POSH Awareness Session @ IMS Engineering College, Ghaziabad



IMS News Service

Ghaziabad: Under the aegis of IQAC & Internal Complaint Committee (ICC) and in association with Sadaneera Foundation (NGO), IMS Engineering College, successfully organized an impactful session on “Fostering Respect and Resilience: POSH Awareness and Faculty Mentorship for Student Well-being” at

Block - C, Auditorium. Ms. Monika Kapoor, Founder & CEO of Skillshare India, delivered an insightful and empowering talk, transforming the session into a truly interactive and enriching experience. With the enthusiastic participation of 100+ faculty and staff members, the event emphasized the importance of a safe, respectful, and student-centric educational environment.

Temples, Ghats and Timeless Traditions



Anshika

Located in the middle Ganges valley in the south-eastern part of the state of Uttar Pradesh, Varanasi also Banaras. Banaras is a city on the Ganges river, that has a central place in the traditions of pilgrimage death and mourning in the Hindu culture.

Kashi, it's ancient name, was associated with a kingdom of the same of 2,500 year ago. Tulsidas wrote his Awadhi language epic, the Ramcharitmanas, a Bhakti movement reworking of the Sanskrit Ramayana in Varanasi.

The city is known worldwide for its many Ghats, Dashaswamedh Ghat, the Panchgange Ghat, the Manikarnika Ghat and the Harishchandra Ghat. Among the notable temples in Varanasi are the Kashi

Vishwanath temple of Shiva, The Sankat mochan Hanuman Temple and The Durga temple.

Geography and Climate

Varanasi is in the Indo-Gangetic plains of North India. It is very fertile because low level floods in the Ganges continually replenish the soil. In recent year, the water level of Ganges has decreased significantly, upstream dams, unregulated water

extraction, and dwindling glacial sources due to global warming.

Spiritual Significance

Located near Varanasi, Sarnath is a significant Buddhist pilgrimage site where Buddha delivered his first sermon. Varanasi is one of the seven holiest cities in Hinduism along with Ayodhya, Mathura, Haridwar, Kanchipuram, Avanti and Dvaraka. The Manikarnika Ghat and



FACTS

- ▶ **Oldest city in the world** – Varanasi is widely regarded as the oldest continuously inhabited city in the world; it was founded by Lord Shiva and Goddess Parvati.
- ▶ **Ganges flow**- The Ganges river appears to flow in the opposite direction in Varanasi, flowing south to north instead of its normal course from West to east.
- ▶ **Frog marriage**- A unique tradition of frog marriage ceremony, which is performed during the monsoon season at the Aswamedh Ghat.
- ▶ **The Shringar Gauri temple** – The Shringar Gauri Temple is only open once a year, on the 4th day of Navratri.

Harishchandra Ghat are significant for their role in Hindu funerary rites, symbolising the belief in Moksha and liberation from the cycle of life and death.

Culture and Traditions

Varanasi is a hub of Indian classical music and dance featuring kathak and instruments like the sitar and tabla. It is renowned for its handicrafts, textile, especially Banarasi silk sarees and delicious street food.



Smriti Mandhana becomes first Indian to score centuries in all formats of women's international cricket

Rishab

Smriti Mandhana on Saturday scored her first ever T20I century and in the process, became the first Indian to have tons in all formats of women's cricket. Mandhana, who is standing in as India captain in their first T20I against England at Trent Bridge, got to the mark in just 51 balls. She was eventually dismissed on 112 off 62 balls, which is also the highest-ever score by an Indian in women's T20Is, her innings punctuated by 15 fours and three sixes. Mandhana's knock powered India to a score of 210/5 batting first. She was attacking right from the first ball, making up for the struggles of her opening partner Shafali Varma, who dragged her feet to 20 off 22 balls before being dismissed. This was Mandhana's 14th international ton. She has 11 centuries in ODI cricket, which is a record for India, and two Test tons. The previous highest score in the shortest format among Indians was 103 scored by Harmanpreet Kaur at the 2018 Women's T20 World Cup.



WTC Final: South Africa ends 27-year drought of major ICC title

South Africa achieved a historic victory in the World Test Championship final against Australia at Lord's on Saturday, ending their 27-year ICC trophy drought with a record-breaking run chase of 282. Led by Aiden Markram's century and captain Temba Bavuma's resilient 66, the Proteas secured the win with five wickets remaining, marking their first ICC triumph since 1998. Markram's outstanding performance of an unbeaten 124 on Day 3 set the foundation for the victory. Bavuma, despite dealing with a hamstring injury, provided crucial support and sealed the win with a boundary throughout. The victory sparked jubilant celebrations in the South African dressing room, marking a significant turnaround from their previous ICC tournament disappointments. The World Test Championship victory at Lord's represents South Africa's first ICC success after numerous near-misses and dramatic exits from major tournaments over the past 25 years.



India launches first-ever professional basketball league for men and women

India's first-ever professional basketball league has been launched, with the competition set to feature structured competitive league in 5x5 and 3x3 formats for both men and women, establishing a comprehensive professional ecosystem that opens the door for athletes across the country to pursue basketball as a viable career. This league, launched on Friday, is a collaboration between the Basketball Federation of India (BFI) and ACG Sports Private Limited. Designed to redefine how the sport is played, experienced, and supported in India, the league aims to shift basketball from a niche discipline into a mainstream pursuit. To guide the league's global strategy and operations, Jeremy Loeliger, Former CEO and Commissioner of Australia's National Basketball League (NBL), has been appointed Director of ACG Sports. In his new role, Loeliger will lead the development of the league's blueprint, bringing international standards of governance, competition, and commercial innovation to the Indian shores, as per a press release from BFI and ACG.



RCB ended their 18-year-long wait and won their maiden IPL trophy

Virat Kohli and Royal Challengers Bengaluru won their maiden title with a six-run victory over Punjab Kings in the final here on Tuesday, ending an 18-year wait for the coveted trophy. This win is as much for the fans as it is for the team. It has been 18 long years. I've given this team my youth, prime and experience. I've tried to win it every season, and I gave it everything I have. To finally have the IPL title is an unbelievable feeling. I never thought this day would come, I was overcome with emotion after the last ball was bowled," Kohli told after the famous win. Punjab Kings bowlers did more than a decent job to restrict Royal Challengers Bengaluru to 190 for nine. None of the Punjab Kings batsmen stood up to the pressure built by RCB bowlers except some crucial knocks Priyansh Arya, Prabhsimran Singh and Josh Inglis. Shashank Singh played a lone battle with wickets crumbling at the other end. However, their batters could not deliver under pressure as the Shreyas Iyer-led side could only manage 184/7 in 20 overs. Krunal Pandya was the standout RCB bowler ending with two wickets for 17 runs in four overs and gives players of the match award.



भारतीय संस्कृति का जादू

खुशी सक्सेना

भारत-एक ऐसा देश, जहाँ हर भावना का रंग होता है, हर रिश्ता एक कहानी कहता है और हर त्योहार एक याद बन जाता है। यह केवल एक भूमि नहीं बल्कि एक जीवनशैली है, जहाँ परंपराएं सांस लेती हैं और संस्कृति दिलों में बसती है। आज यह सांस्कृतिक धड़कन केवल भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि दुनिया के कोने-कोने में गुंजने लगी है।



सीमाओं से परे हो गई है। होली- जब दुनिया भर के लोग रंगों में रंग जाते हैं, तो लगता है जैसे खुशियाँ उड़ रही हैं। सिर्फ चेहरे नहीं, दिल भी रंग जाते हैं। यह त्योहार सिखाता है कि भाषा और नस्ल से ज्यादा जरूरी है मुस्कान और अपनाना। भारतीय त्योहारों की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे हमें जोड़ते हैं अपनी से, अपने संस्कारों से और अपने जड़ों से। विदेशों में रहने वाले लाखों भारतीय इन त्योहारों को सिर्फ मनाते नहीं, बल्कि जीते हैं- बच्चों को सिखाते हैं, परंपराओं को निभाते हैं, और हर बार एक छोटी सी 'भारत' की दुनिया अपने आस-पास बसा लेते हैं। भारतीय संस्कृति और त्योहारों में एक जादू है- जो दिलों को छूता है, अपनों को जोड़ता है और दुनिया को एक परिवार बना देता है। जब एक छोटा दीपक हजारों मील दूर जलता है, तो वह सिर्फ रौशनी नहीं देता वह बताता है कि भारत अब हर दिल में बसता है, हर कोने में महकता है।

Sachin

Movie REVIEWS

Movie: Sitaare Zameen Par

Movie: Sitaare Zameen Par

Director: R. S. Prasanna

Release date: 20 June 2025

Movie Budget: 90–120 crore

Movie Box office: 199.09 crore

Sitaare Zameen Par: At the moment, Bollywood actor Aamir Khan is occupied with the promotion of Sitaare Zameen Par, a sports comedy-drama. A special screening of the movie was recently hosted by the actor. Movie goers are praising the film and sharing their good thoughts in a video that has gone viral online of Aamir visiting a theater and engaging directly with the audience.

After a long break, a very good film has returned to theaters: Taare Zameen Par. There have been subsequent films, but this will alter people's perspectives," someone stated. A moviegoer who works with the Muskan Foundation, which offers special education and rehabilitation to children with disabilities, expressed admiration for the film and commented, "very well kept and captured messages." thank you so much. "Last twist was also great," said another. That's when you brought us to tears. A film of exquisite craftsmanship.

Guernica: A Scream Without Sound



Mugdha Jugran

There's something about Guernica that doesn't let you breathe properly. It's not just a painting. It's a weight. Like a strange pool of dread in your chest.

It's the kind of painting you find yourself staring at longer than you meant to. Like your body stays rooted even when your eyes want to move on. There's this strange feeling of wanting to do something, say something but you don't really know what.

Picasso made it after the bombing of a town called Guernica, but honestly? Even if you walked in knowing nothing, you'd still feel it. The grief of it all is everywhere. And loud.

There's a lightbulb at the top, shaped like an eye. It watches, but there's nothing kind about it. It doesn't guide or comfort. It exposes Coldly. Almost like some distant machine that sees everything but feels nothing. That part has always unsettled people.

Except it's all in silence. Open mouths, flailing arms, twisted bodies, all screaming without a sound. That's what hits the hardest, I think. The quiet. The kind that makes you feel like the air has thickened.

There's a mother holding her dead child, mouth open in that shape of pain we all recognize but hope we never have to make. A horse, pierced and terrified. A bull just... staring. A hand still holding a broken sword. It's all jagged and sharp and not

right. And the colors, well, there aren't any. Just greys and blacks and whites. As if the whole world drained itself of feeling. As if even color was too soft for this.

There's a lightbulb at the top, shaped like an eye. It watches, but there's nothing kind about it. It doesn't guide or comfort. It exposes Coldly. Almost like some distant machine that sees everything but feels nothing. That part has always unsettled people.

And then there's the size of

it. Over twenty-five feet wide. You don't just see it. You stand under it. Like grief made physical. Like pain turned into architecture. And maybe that's what Picasso wanted. For us to stop and face it. Not scroll past. Not sigh and forget. But look. Really look. Because even though it was painted for a moment in history, Guernica feels familiar. Too familiar. Maybe that's the saddest part. The wars change, the faces blur, but the suffering stays the same. We keep making it happen. I think Guernica isn't just a warning. It's a mirror. It doesn't ask anything grand of us. Just that we don't forget. And maybe that's where change starts. In remembering.